वार्षिक रिपोर्ट

2012 – 2013

LBSNAA

Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration

विषय सूची

अध्याय : 1

परिचय 1

अध्याय : 2

वर्ष 2012–2013 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम 5

अध्याय : 3

पाठ्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों का विवरण 7

अध्याय : 4

हमारी सहयोगी संस्थायें 31

अध्याय : 5

क्लब और सोसाइटियां 35

अध्याय : 6

अन्य गतिविधियां 42

परिशिष्ट

परिशिष्ट–1 : अकादमी के संकाय सदस्य/अन्य अधिकारी 46

परिशिष्ट–2 : भौतिक अवसंरचना 49

परिशिष्ट–3 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–I (2012 बैच) के प्रतिभागी 50

परिशिष्ट–4 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–II (2010–12 बैच) के प्रतिभागी 51

परिशिष्ट–5 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–III के प्रतिभागी (2012) 52

परिशिष्ट–6 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–IV के प्रतिभागी (2012) 53

परिशिष्ट–7 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–V के प्रतिभागी (2012) 54

परिशिष्ट–8 : 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी 55

परिशिष्ट–9 : 110वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 55

परिशिष्ट–10 : 113वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 56

परिशिष्ट–11 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 18वें संयुक्त सिविल–सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी 57

परिशिष्ट–12 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 19वें संयुक्त सिविल–सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी 58

परिशिष्ट–13 : वर्तमान प्रशासन में आचार नीति पर 17वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 59

परिशिष्ट–14 : आपदा प्रबंधन पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 60

परिशिष्ट–15 : "वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति" पर 17वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी : सेवा एवं बैच–वार विवरण 61

परिशिष्ट–16 : "आपदा प्रबंधन" पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी 62

अध्याय 1

ifjp;

तत्कालीन गृहमंत्री ने 15 अप्रैल, 1958 को लोकसभा में एक ऐसी राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी स्थापित करने संबंधी प्रस्ताव की घोषणा की थी जहां वरिष्ठ सिविल सेवाओं में भर्ती सभी सदस्यों को आधारिक और मूलभूत विषयों का प्रशिक्षण दिया जाए। गृह मंत्रालय ने आई.ए.एस. ट्रेनिंग स्कूल, दिल्ली और आई.ए.एस. स्टाफ कालेज, शिमला को मिलाकर मसूरी में राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी स्थापित करने का निर्णय लिया। 1959 में अकादमी की स्थापना की गई तथा इसका नाम 'राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' रखा गया। इसे भारत सरकार गृह मंत्रालय के अंतर्गत 'संबद्ध कार्यालय' का दर्जा प्राप्त था। अक्तूबर, 1972 में इसका नाम बदलकर 'लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी' कर दिया गया। जुलाई 1973 में, इसके नाम में 'राष्ट्रीय' शब्द भी जोड़ा गया और अब यह अकादमी 'लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी' के नाम से जानी जाती है। यह अकादमी 1870 में बने प्रतिष्ठित ''चार्लिविल होटल'' में शुरू की गई थी। यहां अकादमी की शुरुआत के लिए आधारिक संरचना मौजूद थी, तथापि बाद में इसमें काफी विस्तार किया गया। यहां आवश्यकतानुरूप कई नए भवन बनाए और खरीदे भी गए।

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में सिविल सेवाओं के सदस्यों के लिए आयोजित किए जाने वाले एक संयुक्त आधारिक पाठ्यक्रम में अखिल भारतीय सेवाओं और केन्द्रीय सेवा समूह 'क' सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाता है तथा भा.प्र. सेवा (आईएएस) के सदस्यों को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। यह अकादमी भा.प्र. सेवा के मध्यम–स्तर से लेकर वरिष्ठ–स्तर तक के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा राज्य सिविल सेवाओं से भा.प्र. सेवा में पदोन्नत अधिकारियों के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित करती है। यह अकादमी विभिन्न विषयों में विशेषज्ञ व्यावसायिक ज्ञान के लिए प्रचुर सामग्री भी उपलब्ध कराती है।

15 अप्रैल, 1958	लोकसभा में तत्कालीन गृह मंत्री द्वारा अकादमी स्थापित करने की घोषणा
13 अप्रैल, 1959	मेटकॉफ हाउस में 115 अधिकारियों के प्रथम बैच ने प्रशिक्षण आरंभ किया
1 सितम्बर, 1959	मसूरी में अकादमी की शुरुआत
1969	चरण–। का सेंडविच पैटर्न
	चरण–।। जिला प्रशिक्षण, इससे पूर्व आधारिक पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण दिया जा रहा था बाद में 8 माह का सतत् व्यावसायिक प्रशिक्षण आरंभ किया गया।
आरंभ से 31.8.1970 तक	अकादमी गृह मंत्रालय के अधीन कार्य कर रही थी।
1.9.1970 से अप्रैल 77 तक	अकादमी ने मंत्रिमंडल सचिवालय मामले विभाग के अधीन कार्य–किया
अक्टूबर, 1972	अकादमी के पूर्व नाम "प्रशासन अकादमी" में "लाल बहादुर शास्त्री" जोड़ा गया
जुलाई, 1973	"राष्ट्रीय" शब्द जोड़ा गया और अब अकादमी को "लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी" के नाम से जाना जाता है।
अप्रैल, 1977 से मार्च, 1985	अकादमी ने गृह मंत्रालय के अधीन कार्य किया
अप्रैल, 85 से अब तक	अकादमी ने कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करना आरंभ किया।
1988	राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केंद्र एवं प्रशिक्षण यूनिट (निक्टू) की स्थापना
1989	एनएसडीएआरटी जिसे एनआईएआर के नाम से जाना जाता था, को सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम के तहत 14.10.96 को सोसाइटी बनाया गया।
3 नवंबर, 1992	कर्मशिला भवन का उद्घाटन
1995	प्रकाशन प्रकोष्ठ को टीआरपीसी के साथ मिला दिया गया।
9 अगस्त,1996	ध्रुवशिला तथा कालिंदी अतिथि–गृह का उद्घाटन किया गया।
2007	मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ।
2011	मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए ज्ञानशिला भवन, तथा सिल्वरवुड एवं वैली व्यू छात्रावासों ने काम करना प्रारंभ किया।
21.06.2.13	कार्मिक तथा पेंशन राज्य मंत्री द्वारा ब्रह्मपुत्र भवन का उद्घाटन।

हमारे संरक्षक

निदेशक : भारत सरकार के अपर सचिव स्तर का वरिष्ठ अधिकारी इस अकादमी का मुखिया होता है। सेवा के अनुकरणीय सदस्य इस अकादमी के मुखिया रहे हैं। इस अकादमी के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक, निम्नलिखित अधिकारियों ने इस पद को सुशोभित किया–

क्र.सं.	नाम
1.	श्री ए.एन. झा, भा.सि.सेवा
2.	श्री एस.के. दत्ता, भा.सि.सेवा
3.	श्री एम.जी. पिम्पुटकर, भा.सि.सेवा
4.	श्री के.के. दास, भा.सि.सेवा
5.	श्री डी.डी. साठे, भा.सि.सेवा
6.	श्री राजेश्वर प्रसाद, भा.प्र. सेवा
7.	श्री वी.सी. माथुर, भा.प्र. सेवा
8.	श्री जी.सी.एल. जोनेजा, भा.प्र. सेवा
9.	श्री पी.एस. अप्पू, भा.प्र. सेवा
10.	श्री आई.सी. पुरी, भा.प्र. सेवा
11.	श्री आर.के. शास्त्री, भा.प्र. सेवा
12.	श्री के. रामानुजम, भा.प्र. सेवा
13.	श्री आर.एन. चोपड़ा, भा.प्र. सेवा
14.	श्री बी.एन. युगांधर, भा.प्र. सेवा
15.	श्री एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा
16.	श्री बी.एस. बसवान, भा.प्र. सेवा
17.	श्री वजाहत हबीबुल्लाह, भा.प्र. सेवा
18.	श्री बिनोद कुमार, भा.प्र. सेवा
19.	श्री डी.एस. माथुर, भा.प्र. सेवा
20.	श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा
21.	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा

संयुक्त निदेशक : निम्नलिखित अधिकारियों ने अकादमी में संयुक्त निदेशक के रूप में कार्य किया –

क्र.सं.	नाम
1.	श्री जे.सी. अग्रवाल
2.	श्री टी.एन. चतुर्वेदी
3.	श्री एस.एस.बिसेन
4.	श्री एम. गोपालकृष्णन
5.	श्री एच.एस. दुबे
6.	श्री एस.आर. अडिगे
7.	श्री एस.सी. वैश
8.	श्री एस. पार्थसारथी
9.	श्री ललित माथुर
10.	डॉ. वी.के. अग्निहोत्री
11.	श्री बिनोद कुमार
12.	श्री रुद्र गंगाधरन
13.	श्री पदमवीर सिंह
14.	श्री पी.के. गेरा
15.	श्री संजीव चोपड़ा
16.	श्री दुष्यंत नरियाला

परिसर

यह अकादमी चार्लिविल, ग्लेनमाइर और इंदिरा भवन नामक तीन सुरम्य परिसरों में फैली है। तीनों परिसरों में अलग–अलग विशिष्ट कार्य होते हैं। चार्लिविल में प्रारंभिक स्तर के प्रशिक्षण के साथ–साथ, व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। ग्लेनमाइर परिसर में राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान (एन.आई.ए.आर.), जो अकादमी का अनुसंधान तथा विकास स्कंध है, स्थापित है। इंदिरा भवन परिसर में सेवाकालीन प्रशिक्षण, अन्य विशिष्ट पाठ्यक्रम/कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं।

प्रशिक्षण –शिक्षण योजना

इस अकादमी का यह प्रयास रहता है कि देश के लिए ऐसा अधिकारी–तंत्र तैयार करने में मदद की जाए जो अपने पद की अपेक्षा, अपने कार्यों से सम्मान पा सकें। पाठ्य–विवरण को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए उनकी निरंतर समीक्षा कर अद्यतन किया जाता है। ऐसा करने के लिए राज्य काउंसलरों के माध्यम से राज्य सरकारों से और अर्धवार्षिक सम्मलेनों में राज्य सरकारों की सलाह, प्रतिभागियों के फीडबैक और इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समितियों की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। केंद्र सरकार के विभागों के प्रतिनिधियों से भी समय–समय पर विचार–विमर्श किया जाता

है। यह स्पष्ट है कि प्रवृत्तियों और मूल्यों की महत्ता को उजागर करने के लिए कक्षा–व्याख्यान की विधि बहुत उपयुक्त नहीं है। अतः कई अन्य नई विधियां भी अपनाई जाती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अनुसार चलते हैं, इसके अनुसार उपयुक्त विषय चुने जाते हैं और उसके सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, सुव्यस्थित तरीके से उसका व्यापक अध्ययन किया जाता है।

मॉड्यूल में निम्नलिखित सभी या कुछ विधियां प्रयुक्त की जाती हैं:–

- अकादमी के संकाय तथा अतिथि संकाय, दोनों द्वारा व्याख्यान
- विविध विचारों को जानने के लिए पैनल परिचर्चा
- प्रकरण अध्ययन (केस स्टडी)
- फिल्में
- समूह परिचर्चा
- अनुकरण अभ्यास
- संगोष्ठियां
- मूट कोर्ट और मॉक ट्रायल
- आदेश और निर्णय लेखन अभ्यास
- प्रयोगात्मक निदर्शन
- समस्या समाधान अभ्यास
- रिपोर्ट लेखन (सत्र आलेख)
- समूह कार्य

फील्ड भ्रमण

हिमालय ट्रेक – विषमता, खराब मौसम, अपर्याप्त आवास और खाद्य पदार्थों की दुर्लभता में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की हिम्मत की परीक्षा होती है। इस यात्रा के दौरान उनके वास्तविक गुणावगुण सामने आ जाते हैं।

ग्रामीण जीवन की समस्याओं और वास्तविकताओं को समझने के लिए पिछड़े जिलों के गांवों का दौरा किया जाता है।

नागरिकों पर सरकारी कार्यक्रमों के प्रभाव पर, फील्ड भ्रमणों तथा लाभार्थियों के साथ विचार–विनिमय के जरिए कार्य अनुसंधान भी किया जाता है।

जीवन–मूल्यों को बढ़ावा

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी युवा सिविल सेवकों को उन आदर्श जीवन–मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है जिनकी लोक सेवक से अपेक्षा की जाती है। व्यावसायिक सिविल सेवा के लिए वांछित दक्षता और ज्ञान प्रदान करना तुलनात्मक रूप से आसान होता है, और ये पारंपरिक रूप से अकादमी के सबल पक्ष रहे हैं। तथापि प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध कम समय में, विविध पृष्ठभूमि और अनुभव वाले, कुशाग्र बुद्धि युवक और युवतियों की प्रवृत्तियों और मूल्यों को उपयुक्त दिशा की ओर मोड़ना बहुत अधिक कठिन कार्य है।

लोक सेवा में दक्ष एवं प्रभावशील होने के लिए जिन प्रवृत्तियों और जीवन–मूल्यों की जरूरत है उनके बारे में कोई मत–विविधता नहीं है। ये जीवन मूल्य हैं– सत्यनिष्ठा, नैतिक साहस, शोषितों के लिए दर्द और समानुभूति, धर्म, क्षेत्र, जाति, वर्ग या लिंग पर आधारित साम्प्रदायिक विद्वेष का न होना। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज इन्हीं जीवन–मूल्यों पर सबसे अधिक आघात हुआ है। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में इन्हीं जीवन–मूल्यों के विकास के लिए उन्हें विविध सामाजिक क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रत्येक प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मसूरी के शहरी और ग्रामीण निर्धन लोगों के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाता है। युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया, और इससे उनके सहजात आदर्शवाद को भी बल मिला है।

निष्ठा एवं विश्वास

हम मानते हैं कि लोक सेवा का कैरिअर चुनौतीपूर्ण है। अतः सिविल सेवकों को यह बात अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि यदि वे मान–सम्मान और गर्व के साथ जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो उन्हें अथक प्रयास करना होगा। हम चाहते हैं कि वे जनता के प्रति उत्तरदायी होने के साथ–साथ अपने स्वयं की नजरों में भी सम्मानित रहें। उनके लिए यही सबसे बड़े गौरव की बात होनी चाहिए। प्रभावशाली ढंग से काम करने की योग्यता, व्यावसायिक क्षमता और संविधान के प्रति कटिबद्धता पर निर्भर होती है। राष्ट्र के रूप में, हमारे यहां सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना है और हमारा प्रयास यह रहता है कि सिविल सेवकों को व्यावसायिक रूप से इतना दक्ष बनाया जाए कि वे पंचायतीराज संस्थाओं से मदद ले सकें और लोगों की भागीदारी बढ़ा सकें। अधीनस्थों को अभिप्रेरित करना सभी प्रशासकों के कार्य का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हमारा प्रयास यह रहता है कि उनमें ऐसी क्षमता विकसित की जाए कि वे अपने अधीनस्थों को नेतृत्व प्रदान कर

सकें। जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन तकनीक का उपयोग और क्षेत्रीय पदाधिकारियों को प्रेरित करने हेतु सहभागी प्रशिक्षण विधियों का उपयोग जैसे कुछ अभिनव प्रयास किए गए हैं।

व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए, बाह्य क्रियाकलापों पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है। हिमालय में ट्रेक के अलावा व्यायाम प्रशिक्षण, क्रॉस कंट्री दौड़, योग, घुड़सवारी, रिवर राफ्टिंग, पैरा–ग्लाइडिंग, रॉक क्लाइंबिंग, तीरंदाजी और पिस्टल शूटिंग भी सिखाई जाती है। जन–संबोधन, थियेटर वर्कशाप, समूह चर्चा, मोटर मैकेनिक्स, बागवानी, फोटोग्राफी और संगीत अवबोधन आदि कुछ अन्य विकल्प भी युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को दिए जाते हैं। खेल–कूद परिसर में प्रशिक्षणार्थियों को सभी प्रकार की खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रशिक्षकों से खेल सीखने का अवसर भी प्रदान किया जाता है।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों के माध्यम से सांस्कृतिक तथा पाठ्येतर कार्यकलापों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। इन क्लबों तथा सोसाइटियों के सदस्य तथा पदाधिकारी ये अधिकारी प्रशिक्षणार्थी स्वयं होते हैं। ये क्लब तथा सोसाइटियां अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लाभ हेतु सायं को ऐसे कार्यकलापों का आयोजन करते हैं।

'संघ भावना' को बढ़ावा

अखिल भारतीय सेवाओं तथा केंद्रीय सेवा समूह 'क' के सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से ही अपने व्यावसायिक जीवन की शुरुआत करते हैं। यह सरकारी क्षेत्र में कार्य करने का उनका पहला अनुभव होता है। परिणामस्वरूप, यह संस्था विभिन्न सिविल सेवाओं के युवा अधिकारियों के बीच एक घनिष्टता कायम करती है। इस प्रकार मातृ संस्था के रूप में यह अकादमी यहां से प्रशिक्षण पाने वाले विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों के मध्य घनिष्ठता स्थापित करती है। इस प्रकार यह अकादमी अधिकारियों के बीच ऐसा भाईचारा स्थापित करती है कि वे अपने पुराने दिनों को याद करते हैं। अकादमी की एक अनोखी विशिष्टता, इसकी आधुनिक अवसंरचना के अतिरिक्त, नवीन एवं पुरातन का अनोखा मिश्रण है।

प्रतिभागी

वित्त वर्ष 2012–13 के दौरान कुल 18 पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां आयोजित की गई जिनमें कुल 1210 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आगे सारणी में वर्ष 2012–13 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों/प्रशिक्षणार्थियों का वितरण दिखाया गया है।

वर्ष 2012–13 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों/प्रशिक्षणार्थियों का वितरण

पाठ्यक्रम का नाम	2012–13 के प्रतिभागियों की संख्या
आधारिक पाठ्यक्रम (मुख्य)	264
भा. प्र. सेवा चरण–I	158
भा. प्र. सेवा चरण– II	134
भा. प्र. सेवा चरण– III (छठा दौर)	91
भा. प्र. सेवा चरण– IV (सातवां दौर)	118
भा. प्र. सेवा चरण– V (छठा दौर)	97
प्रवेशकालीन पाठ्यक्रम	60
संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	65
वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति	24
भा.प्र.से., भा.पु.से., भा.वि.से. के लिए (जेंडर, टी.क्यू.एम. तथा आपदा प्रबंध) पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	92
अन्य कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन	107
योग	1210

अध्याय 2

o"kZ 2012&2013 ds nkSjku vk;ksftr izf'k{k.k dk;ZØe

ikB~;Øe@ifjlj dk uke	vof/k	ikB~;Øe Vhe lnL;	izfrHkkfx;ksa dh la[;k		
			iq-	e-	;ksx
भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–A (2011)	12दिसंबर,, 2011 से 08 जून, 2012	आशीष वच्छानी, रंजना चोपड़ा रोली सिंह डॉ. प्रेम सिंह	136	22	158
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 110वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	13 फरवरी से 06 अप्रैल, 2012	दुष्यंत नरियाला जयंत सिंह निधि शर्मा प्रो. पुनीत मोहन	21	06	27
वर्तमान प्रशासन में आचार नीति विषयों पर 17वां कार्यक्रम	16 से 20 अप्रैल, 2012	तेजवीर सिंह ए.एस.रामचंद्रन डॉ. गरिमा यादव	22	02	24
भा.प्र.सेवा (2012 बैच) के अधिकारियों के लिए मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–प्ट) 7वां दौर	30 अप्रैल से 22 जून, 2012	प्रो. जी.डी.बडगैयां तेजवीर सिंह निधि शर्मा	102	16	118
'राष्ट्रीय सुरक्षा' पर 18वां संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	07 से 18 मई, 2012	जसप्रीत तलवार डॉ. एस.एच. खान	31	02	33
प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 11वां सम्मेलन	21 से 22 मई, 2012	तेजवीर सिंह	22	03	25
''जेंडर मुद्दों'' पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	28 मई से 01 जून, 2012	रोली सिंह	24	0	24
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2010 बैच)	11 जून, से 17 अगस्त, 2012	दुष्यंत नरियाला तेजवीर सिंह जसप्रीत तलवार अभिषेक स्वामी	93	41	134
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–III) (2012) छठा दौर	2 जुलाई से 24 अगस्त, 2012	रंजना चोपड़ा डॉ.. जी.डी.बडगैयां डॉ. प्रेम सिंह	69	22	91
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 111वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 जुलाई से 14 सितंबर, 2012	जयंत सिंह जसप्रीत तलवार निधि शर्मा प्रो.ए.एस.रामचंद्रन	27	06	33
अखिल भारतीय सेवाओं तथा केन्दीय सेवाओं (समूह 'क') के लिए 87वां आधारिक पाठ्यक्रम	03 सितम्बर से 14 दिसंबर 2012	डॉ. प्रेम सिंह रंजना चोपड़ा राजेश आर्य आशीष वच्छानी	206	58	264
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–V) (2012) छठा दौर	01 अक्तूबर से 02 नवंबर, 2012	पदमवीर सिंह संजीव चोपड़ा डॉ. जी.डी.बडगैयां	86	11	97

भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 112वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	8 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2012	निधि शर्मा दुष्यंत नरियाला जयंत सिंह राम कुमार ककानी	33	03	36
'राष्ट्रीय सुरक्षा' पर 19वां संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 28 दिसंबर, 2012	डॉ. एस.एच. खान अभिषेक स्वामी	31	01	32
भा.प्र. सेवा के 1962 बैच के अधिकारियों का पुनर्मिलन	10 से 11 सितंबर, 2012	निधि शर्मा जसप्रीत तलवार अभिषेक स्वामी रत्नेश सिंह	28	01	29
केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 14वां सम्मेलन	16 अक्तूबर, 2012	जयंत सिंह	17	07	24
''टी.क्यू.एम.'' पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	05 से 09 नवंबर, 2012	डॉ. एस.एच. खान	43	03	46
पी.पी.पी. पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	27 से 29 दिसंबर, 2012	निधि शर्मा	24	05	29
अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए ''आपदा प्रबंध' पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 से 29 मार्च, 2013	जयंत सिंह	20	02	22
भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 113वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	25 फरवरी से 19 अप्रैल, 2013	जयंत सिंह डॉ प्रेम सिंह अभिषेक स्वामी	33	02	35
;kx			**1068**	**213**	**1281**

अध्याय 3

ikB~;Øek rFkk fofHkUu xfrfof/k;ksa dk fooj.k

अकादमी में प्रतिवर्ष कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उनमें से आधारिक पाठ्यक्रम मुख्यतः ज्ञानोन्मुखी है ; व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में मूलतः दक्षता विकसित करने पर ध्यान दिया जाता है और सेवाकालीन पाठ्यक्रमों में सरकार में वरिष्ठ पद सम्भालने के लिए नीति–निर्माण की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया जाता है।

विभिन्न पाठ्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा नीचे दी गई है:

आधारिक पाठ्यक्रम (15 सप्ताह)

इस पाठ्यक्रम में सभी अखिल भारतीय सेवाओं– भारतीय प्रशासन सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा तथा भारतीय वन सेवा के सदस्य के साथ–साथ विभिन्न केन्द्रीय समूह (समूह 'क') की सेवाओं के सदस्यों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है। यह पाठ्यक्रम वर्ष में केवल एक बार प्रायः सितम्बर से दिसम्बर तक आयोजित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को देश की संवैधानिक, राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और विधिक संरचना की आधारभूत जानकारी देना है; साथ ही विभिन्न लोक सेवाओं के सदस्य में संघ–भावना विकसित करने तथा उनके मध्य बेहतर तालमेल स्थापित करने और सहयोग तथा परस्पर निर्भरता को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। चूंकि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी सरकार में नव–नियुक्त होते हैं, अतः सुविचारित पाठ्यक्रम की मदद से उन्हें देश के राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिवेश से परिचित कराया जाता है।

87वाँ आधारिक पाठ्यक्रम
(03 सितंबर, 2012 से 14 दिसम्बर, 2012 तक)

पाठ्यक्रम समन्वयक	डॉ. प्रेम सिंह
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	श्रीमती रंजना चोपड़ा, श्री राजेश आर्य, श्री आशीष वच्छानी
कार्यक्रम का शुभारंभ	डॉ. राहुल खुल्लर, भा.प्र. सेवा, अध्यक्ष, टी.आर.ए.आई., नई दिल्ली
प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी	अखिल भारतीय सेवाओं, रॉयल भूटान सिविल सेवा के नए भर्ती अधिकारी
समूह गठन	कुल 264 (206 पुरुष और 58 महिलाएं)

प्रमुख क्रियाकलाप

87वें आधारिक पाठ्यक्रम में 264 युवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन्होंने 03 सितंबर 2012 को 15 सप्ताह के दीर्घावधिक कार्यक्रम में भाग लिया जो 14 दिसम्बर, 2012 को समाप्त हुआ। इस प्रशिक्षण में अकादमी के संकाय सदस्यों के अतिरिक्त सार्वजनिक जीवन से जुड़े तथा अपने अपने व्यावसायिक क्षेत्र के अग्रणी प्रशिक्षकों तथा वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

अकादमिक विषयों में अर्थशास्त्र, लोक प्रशासन, प्रंबध, राजनैतिक सिद्धांत और भारत का संविधान, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति तथा विधि, प्रमुख थे। कक्षा व्याख्यानों के अलावा पुस्तक समीक्षा, महोत्सवों का आयोजन, भारत दिवस, खेलकूद

आदि के माध्यम से सहयोग तथा आत्मनिर्भरता का विकास करते हुए प्रशिक्षण दिया गया। आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान 9 दिवसीय हिमालयन ट्रेक, एक सप्ताह का ग्राम प्रवास, भारत महोत्सव का आयोजन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा मेले का आयोजन किया गया। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक गतिविधियां, उनके बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में सहायक होती हैं। उन्होंने वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया तथा उसमें भाग लिया, सामाजिक विषयों पर निबंध लिखे तथा क्लबों एवं सोसाइटियों के माध्यम से विविध कार्यकलापों का आयोजन किया।
अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने अकादमी परिसर में श्रमदान कर साफ–सफाई की तथा अकादमी के आस–पास वृक्षारोपण किया। अकादमी में समुचित सदाचार तथा अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जाता है, और इससे उनके अंदर सिविल सेवा द्वारा वांछित जीवन–शैली का निर्माण किया जाता है, ताकि वे सिविल सेवा के अपने कैरियर के दौरान आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।

शिक्षा संबंधी तकनीकों में परिचर्चा, प्रंबधन गेम, औपचारिक क्विज प्रतियोगिता आदि के द्वारा परस्पर ज्ञान आदान–प्रदान पर विशेष ध्यान दिया गया। आधारिक पाठ्यक्रम का मूलाधार ऐसे गुणी कर्मियों का विकास करना है जो लोक सेवा के लिए आवश्यक हो तथा आधारिक पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक ऐसा वातावरण उपलब्ध कराया जाता है जिससे वे स्वयं को एक परिपक्व तथा आत्मविश्वास से पूर्ण अधिकारी के रुप में विकसित कर सके।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भाषा का भी गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। जिन अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को हिंदी का पर्याप्त ज्ञान नहीं होता, उन्हें हिंदी भाषा की शिक्षा लेनी होती है, अखिल भारतीय सेवा, भा.प्र. सेवा भा. पुलिस सेवा तथा भा. वन सेवा के अधिकारियों को अकादमी में उपलब्ध विकल्पों में से कोई अन्य भाषा सीखने का भी विकल्प दिया जाता है।

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी ने प्रशिक्षण देने और पाठ्येतर क्रियाकलापों का बहुत ही कारगर पैकेज विकसित किया है। प्रशिक्षण देने का कार्य ऐसे परामर्शदाताओं के जरिए किया जाता है जो अकादमी के वरिष्ठ संकाय सदस्य हैं और सरकारी सेवा में गहन अनुभव रखते हैं। पाठ्येतर क्रियाकलापों में अनिवार्य रूप से सुबह व्यायाम करवाया जाना, खेल–कूद तथा मसूरी के आस–पास के लघु ट्रेक शामिल हैं। अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को पाठ्येतर मॉड्यूलों के जरिए नए कौशल सीखने को भी प्रोत्साहित किया जाता है जिसमें भाषाएं, ललित कलाएं, खेल–कूद, हैम रेडियो तथा फोटोग्राफी जैसे 13 मॉड्यूल हैं। हालांकि पाठ्यक्रम के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सीधे तौर पर जन–समुदाय से जोड़ पाना संभव नहीं होता है फिर भी पाठ्यक्रम में उन्हें आस–पास के राज्यों के चुनिंदा गांवों में एक–सप्ताह के अध्ययन भ्रमण का प्रावधान होता है जिसमें वे गांववालों के साथ रहते हैं, वहां की जमीनी हकीकतों का अध्ययन तथा सर्वे करते हैं और उन्हें ग्रामीणों के रहन–सहन तथा अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील होने का अवसर मिलता है। वहां वे लोगों के लिए चलाए जा रहे सरकारी कार्यक्रमों की कारगरता का स्वयं परीक्षण करते हैं कि कितना किया जा चुका है तथा अभी कितना किया जाना शेष है।

87वें आधारिक पाठ्यक्रम के परिवीक्षाधीनों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–8 पर दिया गया है।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण–। (26 सप्ताह)

(12 दिसम्बर, 2011 से 08 जून, 2012 तक)

आधारिक पाठ्यक्रम पूरा कर लेने के बाद अधिकारी प्रशिक्षणार्थी व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। का प्रशिक्षण लेते हैं। पाठ्यक्रम का लक्ष्य यह रहता है कि भा.प्र.सेवा के अधिकारी उस परिवेश को अच्छी तरह समझ लें जिसमें उन्हें आगे काम करना होगा और उन जीवन–मूल्यों, आदर्शों तथा गुणों को विकसित कर लें जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है। लोक व्यवस्था और उनके प्रबंधन को समझने पर विशेष बल दिया जाता है। चरण–। प्रशिक्षण के दौरान, भा.प्र. सेवा के प्रशिक्षणार्थियों को शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के लिए भी भेजा जाता है। इस अवधि में उन्हें तीनों सशस्त्र सेनाओं, पब्लिक सेक्टर, प्राइवेट सेक्टर, नगरपालिका, स्वैच्छिक अभिकरण, जनजातीय क्षेत्र, ई–गवर्नेंस और गैर–सरकारी संगठन इत्यादि से भी संबद्ध किया जाता है। सशस्त्र सेनाओं के साथ उन सेवाओं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर प्राप्त होता है। शीतकालीन अध्ययन के दौरान, प्रशिक्षणार्थियों को संसदीय अध्ययन और प्रशिक्षण ब्यूरो के साथ भी प्रशिक्षण दिया जाता है जहां वे संवैधानिक पदों पर आसीन विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाकात करते हैं।

ये सहयोजन, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भारत की विविधता का अनुभव कराते हैं। इस दौरान उन्हें विभिन्न संगठनों की कार्यप्रणाली को निकटता से देखने और समझने का भी अवसर मिलता है। इसके पश्चात् अधिकारियों को नियमित क क्षा प्रशिक्षण लेना होता है। इन कक्षाओं में उन्हें भारत सरकार द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रम के अनुसार लोक प्रशासन, प्रबंध, विधि, कम्प्यूटर और अर्थशास्त्र पर व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। चरण–। प्रशिक्षण पूरा होने पर भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को, एक वर्श के जिला प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

पाठ्यक्रम का नाम	भा.प्र.सेवा चरण I (2012 बैच)
अवधि एवं तिथि	26 सप्ताह : 12 दिसंबर 2011 से 08 जून, 2012
पाठ्यक्रम टीम	श्री आशीष वाच्छानी, उ.नि.व., पाठ्यक्रम समन्वयक श्रीमती रंजना चोपड़ा, उ.नि.व., सह–पाठ्यक्रम समन्वयक श्रीमती रोली सिंह, उ.नि.व., सह–पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रेम सिंह, उपनिदेशक, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए अकादमी मुख्य पाठ्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–।
समूह गठन	कुल प्रतिभागी – 158; रॉयल भूटान सिविल सेवा के 2 अधिकारी; पुरुष – 136 महिलाएं – 22
कार्यक्रम का समापन	श्री रूद्र गंगाधरन, सचिव, भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग, नई दिल्ली

कार्यक्रम की विशेषताएं

वर्ष 2011 के लिए भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। 12 दिसम्बर, 2011 को शुरू हुआ। इसमें भा.प्र.सेवा 2011 बैच से 149 अधि. प्रशि., रॉयल भूटान सिविल सेवा से 2 तथा भा.प्र.सेवा के पूर्व बैच से 7 अधि. प्रशि. शामिल थे। विगत 25 वर्षों में अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले चरण–। समूहों में यह सबसे बड़ा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाला समूह है।

इसमें तीन व्यापक विषय–क्षेत्रों (कम्पोंनेंट) को लेकर पाठ्यक्रम की संरचना की गई थी। इन कार्यक्रमों में 17 सप्ताह का ऑन कैम्पस, कक्षा आधारित विषय तथा मूल्यांकन, 8 सप्ताह का शीतकालीन अध्ययन दौरा तथा संसदीय कार्य तथा प्रक्रियाओं पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण शामिल किया गया था। विगत 26 सप्ताहों में 364 कक्षा सत्र आयोजित किए गए जिसमें से 334 घंटे विषय आधारित पाठ्यक्रम चलाए गए हैं।

यह कार्यक्रम विगत वर्षों की तुलना में अध्यापन एवं विषय–वस्तु की दृष्टि से विशिष्ट कार्यक्रम रहा है। व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए शिक्षण की नवीनतम परिवर्तनशील एवं साझेदारी विधि अपनायी गई। 364 सत्रों में से लगभग 142 सत्रों में प्रकरण अध्ययन समूह अभ्यास, पारस्परिक व्यावहारिक प्रशिक्षण, पैनल चर्चा, सेमीनार, फिल्म प्रदर्शन, मैनेजमेंट गेम तथा मॉक अभ्यास शिक्षण पद्धति अपनायी गई थी।

इस कार्यक्रम में अधि. प्रशि. के लिए प्रासंगिक तथा विविध विषय शामिल किए गए थे जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ भारत का संविधान, सिविल, दांडिक एवं भारतीय दंड संहिता, न्यायालयी कार्य प्रबंधन, सर्वेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण, बन्दोबस्त तथा भूमि प्रबंध, आर्थिक विकास, सरकारी बजट प्रबंधन, लेखा–परीक्षा एवं सार्वजनिक अधिप्राप्ति, कृषि व्यापार, ग्रामीण विकास की चुनौतियां, शहरी प्रबंधन, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पोषाहार, विनियामक प्रशासन, ई–गवर्नेश, कानून–व्यवस्था प्रबंधन, पर्यावरण, तथा ऊर्जा संरक्षण, कमजोर वर्गों, सामाजिक सुरक्षा तथा बौद्धिक कौशलता (सॉफ्ट स्किल्स) विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इस पाठ्यक्रम में गवर्नेश, परियोजना मूल्यांकन, सर्वजनिक, निजी सहभागिता तथा इंजीनियरिंग कौशलता में सैटेलाइट इमेजरी तथा डिजिटल मैप के प्रयोग जैसे कई नए विषय शामिल किए गए थे।

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अकादमी में कई विशिष्ट व्यक्तियों के विचार सुनने तथा उनके साथ विचार विनिमय करने का अवसर मिला। अन्य व्यक्तियों के साथ–साथ इसमें माननीय गृह मंत्री श्री पी. चिदम्बरम, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डा. सुब्बा राव, श्रीमती वंदना शिवा, पर्यावरणविद्, प्रख्यात कलाकार श्री जतिनदास, भारतीय सैन्य अकादमी के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल मानवेंद्र सिंह शामिल हैं। पंडित बिरजू महाराज, श्री विश्व मोहन भट, श्रीमती विद्या शाह, पंडित रोनू मजूमदार तथा श्री दिवाकर बनर्जी जैसे प्रख्यात कलाकारों के संगीत गायन, नृत्य प्रदर्शन का लुत्फ उठाया तथा उनके साथ पारस्परिक विचार–विमर्श किया। इन कलाकारों ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को भारत के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा कला रूपों की बारीकियों को समझने का अवसर प्रदान किया।
संसदीय अध्ययन एवं प्रशिक्षण ब्यूरो के साथ संबद्धता के दौरान अधिकरी प्रशिणार्थियों को संवैधानिक विभूतियों से मिलने तथा उनके साथ विचारों का आदान–प्रदान करने का मौका प्रदान किया गया। इनमें महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, महामहिम उप राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, लोकसभा अध्यक्षा श्रीमती मीरा कुमार, कार्मिक एवं पेंशन राज्य मंत्री श्री वी.नारायणसामी तथा कई अन्य विशिष्ट सांसद शामिल हैं। बी.पी.एस.टी के साथ संबद्धता के दौरान भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिव तथा कतिपय सचिवों के साथ मिलकर विचारों का आदान–प्रदान करना महत्वपूर्ण उपलब्धि रही।

भाषा शिक्षण एवं आईसीटी कौशलता प्राप्त करना भा.प्र.सेवा अधिकारी के कार्य–निष्पादन को बढ़ाने के लिए महत्वर्पूण विषय होता है। इस पाठ्यक्रम में भारत की क्षेत्रीय भाषाओं तथा आईसीटी में लगभग 60 संपर्क सत्रों का आयोजन किया गया।

व्याख्यान सत्रों से भी आगे इस पाठ्यक्रम में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को शीतकालीन अध्ययन दौरे से प्राप्त व्यक्तिगत तथा सामूहिक अनुभवों का आदान–प्रदान करने तथा उन अनुभवों से जानकारी प्राप्त करने और आवंटित संवर्गों के राज्य संबंधी आलेखों के जरिए सामाजिक सांस्कृतिक परिदृश्य को समझने में समर्थ बनाया।

इस बैच ने वर्ष 2011 बैच के भारतीय वन सेवा तथा भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की मेजबानी की। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अन्य सेवाओं के अधि. प्रशि. के साथ नए मित्र बनाने का मौका मिला जिनके साथ वे अपने सेवा काल में परस्पर सहयोग से कार्य करेंगे।

अकादमी की परम्परा को बनाए रखते हुए पाठ्यक्रम के दौरान पूरब–पश्चिम–उत्तर–दक्षिण क्षेत्रीय दिवसों का आयोजन किया गया जिसमें देश की अद्भूत सांस्कृतिक एवं विविध प्रकार के व्यंजनों (पाककला) का प्रदर्शन किया गया।
भा.प्र.सेवा चरण–। (2012 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–3 में दिया गया है।

जिला प्रशिक्षण (52 सप्ताह)

इस प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिला स्तर पर प्रशासन के विविध पक्षों के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं। इस अवधि में वे जिला कलेक्टर और राज्य सरकारों के सीधे नियंत्रण में रहते हैं और कलेक्टर/जिला मजिस्ट्रेट तथा राज्य सरकार की अन्य संस्थाओं के कार्यों की प्रारंभिक जानकारी प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षण काल में उन्हें विभिन्न क्षेत्र–स्तरीय कार्यों का स्वतंत्र प्रभार संभालने का अवसर भी मिल सकता है। इसके अलावा, जिला प्रशिक्षण के दौरान अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अकादमी द्वारा सौंपे गए कार्य भी करने होते हैं, जो जिलों में फील्ड अध्ययन पर आधारित होते हैं।

अकादमी द्वारा नामित संवर्ग परामर्शदाता पत्राचार द्वारा, वहां का दौरा करके और उनके कलेक्टर से मिलकर, प्रशिक्षणार्थियों से संपर्क बनाए रखते हैं।

भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण–II (10 सप्ताह) (2010 बैच)
(11 जून से 17 अगस्त, 2012 तक)

आधारिक पाठ्यक्रम और चरण–। पाठ्यक्रमों में, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सैद्धांतिक पक्षों की जानकारी दी जाती है, और जिला प्रशिक्षण में उन्हें बुनियादी वास्तविकताओं का अध्ययन करना होता है। चरण–II में, देशभर के अनुभवों का आदान–प्रदान किया जाता है, जब अधिकारी प्रशिक्षणार्थी अपने–अपने जिले से तरह तरह के अनुभव लेकर अकादमी में लौटते हैं। चरण–II पाठ्यक्रम की रुपरेखा इस प्रकार तैयार की जाती है कि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी वर्ष के दौरान राज्य तथा जिला स्तर के सहयोजनों से हासिल ज्ञान और जिला अनुभवों का, पूर्व में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में विश्लेशण कर सकें। यह पाठ्यक्रम अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अकादमी में प्राप्त ज्ञान के संदर्भ में क्षेत्र की

पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए अकादमी मुख्य पाठ्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र. सेवा के अधिकारी प्रषिक्षणार्थियों के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– II
समूह गठन	कुल प्रतिभागी – 134; रॉयल भूटान सिविल सेवा के 2 अधिकारी; पुरुष – 93 महिलाएं – 41
कार्यक्रम का समापन	श्री आलोक कुमार जैन, मुख्य सचिव, उत्तराखंड सरकार

वास्तविकताओं के पुनः परीक्षण का अवसर प्रदान करता है। चरण– ᥞ पाठ्यक्रम में मुख्य रूप से इस बात पर ध्यान दिया जाता है कि अधिकारी प्रशिक्षणार्थी जिला प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर प्रशासन से जुड़े मुद्दों को समझें और उन समस्याओं के प्रति सचेत हो जाएं, जिनका सामना उन्हें अपने सेवाकाल के प्रारंभिक वर्षों में करना है।

पाठ्यक्रम का नाम	भा.प्र.सेवा चरण– II (2010 बैच)
अवधि एवं तिथि	10 सप्ताह– 11 जून, 2012 से 17 अगस्त, 2012
पाठ्यक्रम टीम	श्री दुष्यंत नरियाला, उ.नि.व., पाठ्यक्रम समन्वयक श्री तेजवीर सिंह, उ.नि.व., सह–पाठ्यक्रम समन्वयक श्रीमती जसप्रीत तलवार, उ.नि.व., सह–पाठ्यक्रम समन्वयक अभिषेक स्वामी, रीडर (विधि), सह पाठ्यक्रम समन्वयक

भा.प्र.सेवा. चरण–II (2010–2012 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–4 में दिया गया है।

भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम

चरण–III, IV तथा V पाठ्यक्रम, क्रमशः 6–9 वर्ष, 14–16 वर्ष तथा 26–28 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। अधिकारी की सेवा में कुछ स्तरों पर प्रोन्नति के लिए यह कार्यक्रम अनिवार्य है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों में ''अगले स्तर हेतु दक्षता'' का विकास करना है। चरण– III और चरण– IV कार्यक्रम की अवधि 08 सप्ताह थी और चरण– V कार्यक्रम की अवधि 5 सप्ताह की थी।

भा.प्र.से. व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण – III (2012), छठा दौर

(02 जुलाई से 24 अगस्त, 2012)

पाठ्यक्रम का नाम	भा.प्र.सेवा का चरण–III मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि एवं तिथि	02 जुलाई से 24 अगस्त, 2012 (8सप्ताह) विदेश अध्ययन भ्रमण– कोरिया 21 जुलाई से 02 अगस्त 2012 (2 सप्ताह) यह पाठ्यक्रम मसूरी अकादमी में आयोजित किया गया।
अकादमी की पाठ्यक्रम टीम	श्रीमती रंजना चोपड़ा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. ज्ञानेंद्र डी. बडगैयां (प्रोफेसर, अर्थशास्त्र) तथा डॉ. प्रेम सिंह (उपनिदेशक) सह–पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	कार्यक्रम का उद्देश्य, अधिकारियों को लोक नीति निर्माण एवं विश्लेषण संबंधी उनके आगामी दायित्वों के लिए तैयार करना है। इसमें शासन के अधिकांश क्षेत्रों के बारे में उनके ज्ञान को अद्यतन करने की भी कोशिश की जाती है।
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र.सेवा के 1999, 2000, 2001, 2002 ,2003 एवं 2004 बैच के अधिकारी।
समूह गठन तथा महिला एवं पुरुष अधिकारियों का ब्योरा	कुल प्रतिभागी – 91 भा.प्र.सेवा अधिकारी पुरुष – 69 महिलाएं – 22 श्रीलंका प्रशा. सेवा के प्रतिभागी – 4 बाकी बचे प्रतिभागी – 1

कार्यक्रम का शुभारंभ	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक,ला.ब.षा.रा.प्र.अ.
समापन संबोधन	श्री विनोद राय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक

कार्यक्रम का उद्देश्य, पाठ्यसामग्री तथा प्रमुख अतिथि संकाय

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम प्रबंधकों से प्रभावी तथा उत्तरदायित्व पूर्ण नीति निर्धारण तथा प्रवर्तक बनाने में अधिकारियों की सहायता करना था। कार्यक्रम का लक्ष्य, प्रतिभागियों के परियोजना मूल्यांकन एवं सार्वजनिक–निजी भागीदारी कौशल, रणनीति प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना तथा राजनैतिक अर्थनीति का समाधान ढूंढने में उनकी दक्षता को बढ़ाना है। इसे निम्नलिखित माध्यम से हासिल किया गयाः
अपने विगत कार्यक्रमों तथा परियोजना अनुभवों को सुदृढ़ करना तथा उनसे सीख लेना।
वैश्विक, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय नीतियों की गहन समझ विकसित करना।
क्षेत्र विशेष की विस्तृत जानकारी, अवधारणा तथा साधन के साथ–साथ नीतिगत परिदृश्य उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम के अंत तक प्रतिभागियों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में योग्यता हासिल की –

- वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक अर्थनीति के क्षेत्र में समकालीन विकास का मूल्यांकन करने में।
- परियोजन मूल्यांकन तथा विश्लेषण की प्रक्रिया समझने में।
- लोकनीति की प्रक्रिया के संदर्भ में प्रभावी जानकारी बढ़ाने में।
- नेतृत्व एवं समझौता–वार्ता दक्षता बढ़ाने, और
- शासन–संचालन में जीवन–मूल्यों की केन्द्रीयता का मूल्यांकन करने में।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- पहला तथा दूसरा सप्ताह – आधारभूत व्यष्टि अर्थशास्त्र, वित्तीय एवं आर्थिक विश्लेषण, परियोजना निर्माण एवं विश्लेषण के लिए सैद्धांतिक पृष्ठभूमि
- तीसरा सप्ताह – सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी)
- चौथा तथा पांचवां सप्ताह – कोरिया डेवलेपमेन्ट इन्स्टिट्यूट के सहयोग से कोरिया का विदेश अध्ययन भ्रमण
- छठा सप्ताह – शिक्षा तथा स्वास्थ्य
- सातवां सप्ताह – कृषि, ग्रामीण विकास और विकेंद्रीकरण
- आठवां सप्ताह – शहरी विकास तथा उत्तम कार्य–पद्धतियों का आदान–प्रदान

संकाय

यह पाठ्यक्रम अकादमी संकाय, आई.आई.एम., अहमदाबाद, आई.आई.एम., बंगलौर, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली तथा प्रख्यात शिक्षाविदों और सेवारत एवंसेवानिवृत्त सिविल सेवा के विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया गया। अकादमी के संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य सत्रों के अलावा कुल 30 प्रतिशत से अधिक सत्रों में व्याख्यान दिए।

अकादमी संकाय

श्री पदमवीर सिंह, श्री कुश वर्मा, श्री संजीव चोपड़ा, श्रीमती रंजना चोपड़ा, डॉ. ज्ञानेन्द्र डी. बडगैयां, श्री तेजवीर सिंह, श्री आशीष वच्छानी, डॉ. प्रेम सिंह, श्री राजेश आर्य, श्री जयंत सिंह, श्रीमती निधि शर्मा, श्रीमती जसप्रीत तलवार, श्री राम कुमार ककानी, श्री दुष्यंत नरियाला, श्री मंतोश चक्रवर्ती।

अतिथि वक्ता

श्री अजय शाह, श्री चंचल कुमार, सुश्री अरुणा राय, श्री निखिल डे, सुश्री मधु पी. किश्वार, डॉ. नागेश सिंह, डॉ. जी.

मोहन गोपाल, श्री शेखर गुप्ता, श्री संजीव चतुर्वेदी, सुश्री किरण ढींगरा, श्रीमती मोनिका एस. गर्ग, श्री एस.एस गुप्ता, श्री दीपक सेनन, श्री विजय छिब्बर, श्री केरियन थॉमस, श्री के. वेंकटेश, श्री विवेक अग्रवाल, डॉ. एस.एस संधु, श्री जॉन्ग केउन कीम, श्री अनुज दयाल, डॉ. वंदना शिवा, सुश्री अराधना पटनायक, श्री सेल्वकुमार, श्री विकास शील, डॉ. श्रीनाथ रेड्डी, श्री श्रीधर वेंकट, श्री सी.पी. दास, श्री कबीर वाजपेयी, प्रो. शांता सिन्हा, डॉ. नरेन्द्र जादव, श्री मनीश सभरवाल, प्रो. अनिता रामपाल, डॉ. रुक्मणि बनर्जी, श्री पार्थीव शाह, प्रो. अनिल के. गुप्ता, डॉ. एम. मंगपति पल्लम राजू, श्री संजीव चोपड़ा, डॉ. अजय कुमार, श्री हर्ष मंदर, श्री मिलिंद काम्बले, श्री चंद्रभान प्रसाद, श्री पी.के. मिश्रा, श्री गौरव द्विवेदी, श्रीमती मीता राजीव लोचन, प्रो. राजीव लोचन, श्री विजय मेनन, श्री अजीम एच. प्रेमजी, सुश्री सुधा महालिंगम, श्री एस.एम . विजयानंद, श्री आनंद कुमार, श्री ऋत्विक दत्ता, श्री टी. विजय कुमार, श्री जी.के. पिल्लै, श्री के.सी सिंह, श्री टी.नंद कुमार, डॉ. बिमल पटेल, श्री गौतम चटर्जी, श्री पी. जॉय ऑमेन, प्रो. पी.एस.एन. राव, श्री रमेश रामनाथन।

पाठ्यक्रम के अंत में फीडबैक

पाठ्यक्रम के बारे में (इसकी उपयोगिता, प्रशिक्षण अनुभव आदि के आधार पर) प्रतिभागियों द्वारा पाठ्यक्रम के अंत में दिए गए समग्र फीडबैक का औसत 94.03 प्रतिशत था।

चरण– III के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–5 में दिया गया है।

भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– IV (2012) 7वां दौर

(30 अप्रैल से 22 जून, 2012)

पाठ्यक्रम का नाम	भा.प्र.सेवा का चरण– IV मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि एवं तिथि	30 अप्रैल से 22 जून, 2012 (8सप्ताह) विदेश अध्ययन भ्रमण– कनाडा 21 मई से 01 जून 2012 (2 सप्ताह) यह पाठ्यक्रम मसूरी अकादमी में आयोजित किया गया।
अकादमी की पाठ्यक्रम टीम	डॉ. ज्ञानेंद्र डी. बडगैयां, पाठ्यक्रम समन्वयक श्री तेजवीर सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ तथा श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	कार्यक्रम का उद्देश्य, अधिकारियों को लोक नीति निर्माण एवं विश्लेषण संबंधी उनके आगामी दायित्वों के लिए तैयार करना है। तदनुसार, नीति विश्लेषण, नीति क्रियान्वयन, लोक प्रबंधन तथा नेतृत्व इसके मुख्य कारक हैं। इसमें शासन के अधिकांश क्षेत्रों के बारे में उनके ज्ञान को अद्यतन करने की भी कोशिश की जाती है।
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र.सेवा के 1991, 1992, 1993, 1994, 1996 एवं 1997 बैच के अधिकारी।
समूह गठन तथा महिला एवं पुरुष अधिकारियों का ब्योरा	कुल प्रतिभागी – 118 भा.प्र.सेवा अधिकारी पुरुष – 102 महिलाएं – 16 श्रीलंका प्रशा. सेवा के प्रतिभागी – 4 बाकी बचे प्रतिभागी – 2
कार्यक्रम का शुभारंभ	श्री वाई.के. अलघ, अध्यक्ष, आई.आर.एम.ए. गुजरात
समापन संबोधन	डॉ. सी.पी. जोशी, माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री

कार्यक्रम का उद्देश्य, पाठ्यसामग्री तथा प्रमुख अतिथि संकाय

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं एवं कार्यक्रम प्रबंधकों से प्रभावी तथा उत्तरदायित्व पूर्ण नीति निर्धारण तथा प्रवर्तक बनाने में अधिकारियों की सहायता करना था। कार्यक्रम का लक्ष्य, प्रतिभागियों के परियोजना मूल्यांकन एवं सार्वजनिक–निजी भागीदारी कौशल, रणनीति प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना तथा राजनैतिक अर्थनीति का समाधान ढूढंने में उनकी दक्षता को बढ़ाना है। इसे निम्नलिखित माध्यम से हासिल किया गया

- अपने विगत कार्यक्रमों तथा परियोजना अनुभवों को सुदृढ़ करना तथा उनसे सीख लेना।
- वैश्विक, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय नीतियों की गहन समझ विकसित करना।
- क्षेत्र विशेष की विस्तृत जानकारी, अवधारणा तथा साधन के साथ–साथ नीतिगत परिदृश्य उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम के अंत तक प्रतिभागियों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में योग्यता हासिल की

- वैश्विक तथा राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक अर्थनीति के क्षेत्र में समकालीन विकास का मूल्यांकन करने में।
- परियोजन मूल्यांकन तथा विश्लेषण की प्रक्रिया समझने में।
- लोकनीति की प्रक्रिया के संदर्भ में प्रभावी जानकारी बढ़ाने में।
- नेतृत्व एवं समझौता–वार्ता दक्षता बढ़ाने, और
- शासन–संचालन में जीवन–मूल्यों की केन्द्रीयता का मूल्यांकन करने में।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- पहला तथा दूसरा सप्ताह – परिदृष्य सृजन तथा लोक नीति मॉड्यूल
- तीसरा सप्ताह – नीति निर्माण के लिए अपेक्षित कौशल अर्जन
- चौथा तथा पांचवां सप्ताह – कनाडा का विदेश अध्ययन भ्रमण
- छठा तथा सातवां सप्ताह – प्रमुख क्षेत्रों के लिए कौशल तथा ज्ञान अर्जन
- आठवां सप्ताह – उभरती प्रवृत्तियां

संकाय

इस पाठ्यक्रम में अकादमी के संकाय सदस्यों तथा प्रख्यात शिक्षाविदों और सेवारत तथा सेवानिवृत्त सिविल सेवा के विशेषज्ञ शामिल हैं। अकादमी के संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य सत्रों के अलावा कुल 30 प्रतिशत से अधिक सत्रों में व्याख्यान दिए।

अकादमी संकाय

श्री पदमवीर सिंह, श्री कुश वर्मा (महानिदेशक, एनआईएआर), श्री संजीव चोपड़ा, डॉ. ज्ञानेंद्र बडगैयां, श्री तेजवीर सिंह तथा श्रीमती निधि शर्मा।

अतिथि वक्ता

डॉ. वाई. के. अलघ, श्री अरुण मैरा, प्रो. नीरज जयाल, श्री दिलीप साइमन, डॉ. जी. मोहन गोपाल, सुश्री शोभना भरतीया, श्री चंद्र भान प्रसाद, श्री मिलिंद कांबले, श्री अमरजीत सिन्हा, डॉ. मनीष कुमार, श्री एल. के. अतीक, डॉ. मनीष कुमार, श्री के. एल शर्मा, श्री बी.एस. बासवान, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. ए.के. शिवकुमार, डॉ. पार्थ मुखोपाध्याय, श्री संजीव सहाय, स्टेवार्ट बॅक, डॉ. अजय शह, श्री केरियन थॉमस, श्री अमिताभ कांत, श्री संदीप वर्मा, प्रो. अनिल के. गुप्ता, श्री विक्रम जैन, श्री आशीष करमचंदानी, डॉ. एन.सी. सक्सेना, श्री संजीव सहसय, श्री विशाल भारद्वाज, श्री मनीष सभरवाल, श्री के. राजू, श्री टी. विजय कुमार, श्री अजय छिब्बर, श्री सी. अजीत कुमार, सुश्री वंदना मेहरा, श्री सुधीर कुमार, डॉ. अरविंद मायारम, श्री दीपक सेनन, डॉ. के.पी. कृष्णन, श्री राजीव चावला, श्री दिनेश त्रिवेदी, विंग कमांडर अजय लेले, सुश्री नम्रता गोस्वामी, श्री निहार नायक, प्रो. विजय मेनन, सुश्री किरण भट्टी, श्री के.सी. सिंह, श्री अनिल स्वरूप, श्री मनोहर पर्रीकर, डॉ. राजीव कुमार, सुश्री अनु आगा, डॉ. किरण दातर, श्री प्रोदिप्तो घोष, श्री किशोर बियानी, श्री एम. वीरप्पा मोइली, श्री पवन के. वर्मा, श्री सत्यानंद मिश्रा, डॉ. प्रजापति त्रिवेदी, श्री उमर अब्दुल्लाह, डॉ. सी.पी. जोशी, डॉ. मनीष कुमार, श्री के.के.

पाठ्यक्रम का नाम	भा.प्र.सेवा का चरण– V मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि एवं तिथि	01 अक्तूबर से 02 नवंबर, 2012 (5 सप्ताह) विदेश अध्ययन भ्रमण– न्यू यॉर्क तथा वाशिंग्टन, यू.एस.ए.– 01 अक्तूबर से 09 अक्तूबर, 2012 (9 दिन)। यह पाठ्यक्रम मसूरी अकादमी में आयोजित किया गया।

जालान, सुश्री रजनी एस. सिबल।

पाठ्यक्रम के अंत में फीडबैक

पाठ्यक्रम के बारे में (इसकी उपयोगिता, प्रशिक्षण अनुभव आदि के आधार पर) प्रतिभागियों द्वारा पाठ्यक्रम के अंत में दिए गए समग्र फीडबैक का औसत 91.55 प्रतिशत था।

चरण– IV के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–6 के रूप में संलग्न है।

भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– V (2012) छठा दौर

(01 अक्तूबर से 02 नवंबर, 2012)

अकादमी की पाठ्यक्रम टीम	श्री पदमवीर सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक श्री संजीव चोपड़ा, सह–पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. ज्ञानेंद्र डी. बडगैयां, सह–पाठ्यक्रम समन्वयक श्री जयंत सिंह, उ.नि.वरिष्ठ, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	कार्यक्रम का उद्देश्य 26–28 वर्ष की सेवा वाले इन अधिकारियों को रणनीति–निर्माण तथा उसके क्रियान्वयन के लिए तैयार करना है। इसमें शासन के अधिकांश क्षेत्रों के बारे में उनके ज्ञान को अद्यतन करने की भी कोशिश की जाती है।
कार्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र.सेवा के 1981, 1982, 1983 एवं 1984 बैच के अधिकारी।
समूह गठन तथा महिला एवं पुरुष अधिकारियों का ब्योरा	कुल प्रतिभागी – 97 भा.प्र.सेवा अधिकारी पुरुष – 86, महिलाएं – 11 बाकी बचे प्रतिभागी – 1
कार्यक्रम का शुभारंभ	श्री वी. नारायणसामी, माननीय राज्यमंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन और प्रधानमंत्री कार्यालय
समापन संबोधन	श्री विनोद राय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक

कार्यक्रम का उद्देश्य, पाठ्यसामग्री तथा प्रमुख अतिथि संकाय

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन अधिकारियों को प्रभावी तथा उत्तरदायित्वपूर्ण नीति निर्धारक बनाने तथा उनमें अंतर–सेक्टरल परिदृश्य विकसित करने में उनकी सहायता करना था। कार्यक्रम का लक्ष्य, प्रतिभागियों रणनीति प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना तथा राजनैतिक अर्थनीति का समाधान ढूंढने में उनकी दक्षता को बढ़ाना है। इसे निम्नलिखित माध्यम से हासिल किया गयाः

- अपने विगत कार्यक्रमों तथा परियोजना अनुभवों को सुदृढ़ करना तथा उनसे सीख लेना।
- वैश्विक, राष्ट्रीय तथा राज्यस्तरीय नीतियों की गहन समझ विकसित करना।
- क्षेत्र विशेष की विस्तृत जानकारी, अवधारणा तथा साधन के साथ–साथ नीतिगत परिदृश्य उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम के अंत तक प्रतिभागियों ने निम्नलिखित क्षेत्रों में योग्यता हासिल की–

- भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीति तैयार करने की दिशा में वैश्विक तथा राष्ट्रीय परिदृश्य विकसित करना।
- अंतर–सेक्टरल नीति डिजाइन तथा क्रियान्वयन की महत्ता समझने में।
- अपने कार्य परिवेश में प्रभावी नेतृत्व देने में, और

- नीति–निर्माण तथा क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सेवा नेटवर्क को सुदृढ़ करने में।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

- पहला तथा दूसरा सप्ताह – शासन संबंधी वैश्विक परिदृश्य – न्यू यॉर्क तथा वाशिंग्टन डी.सी., यू.एस.ए.
- तीसरा, चौथा तथा पांचवां सप्ताह – भारत का उभरता नीति परिवेश तथा वर्तमान नीतिगत चुनौतियां। इसमें विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए, प्रतिभागियों द्वारा नीतिगत आलेख तैयार किए गए, उनकी समीक्षा तथा प्रस्तुति की गई।

संकाय

इस पाठ्यक्रम में अकादमी के संकाय सदस्यों तथा प्रख्यात शिक्षाविदों और सेवारत तथा सेवानिवृत्त सिविल सेवा के विशेषज्ञ शामिल हैं। अकादमी के संकाय सदस्यों ने पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य सत्रों के अलावा कुल 15 प्रतिशत से अधिक सत्रों में व्याख्यान दिए।

अकादमी संकाय

श्री पदमवीर सिंह, श्री संजीव चोपड़ा।

अतिथि वक्ता

श्री अशोक चावला, सुश्री सुधा महालिंगम, श्री सुबीर गोकर्ण, श्री अरुण जेटली, प्रो. योगेन्द्र यादव, सुश्री मधु किश्वार, श्री श्याम शरण, श्री अजीत डोवाल, श्री पी. जॉय ऑमेन, श्री के.सी. सिंह, श्री कमल नाथ, श्री दिलीप साइमन, सुश्री वृन्दा ग्रोवर, श्री जे. सत्यनाराण, डॉ. राहुल खुल्लर, श्री केरियन थॉमस, डॉ. बिमल पटेल, श्री दीपक सेनन, डॉ. ए. दीदार सिंह, डॉ. के. सीता प्रभु, सुश्री कविता राव, श्री अशोक गुलाटी, प्रो. अनिल के. गुप्ता, श्री एम.आर. शिवरमण, श्री प्रजापति त्रिवेदी, डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी, श्री मनीष सभरवाल, सुश्री अंशु वैश, श्री बी.एस. बासवान, राजदूत चंद्रशेखर दासगुप्ता।

चरण– V के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–7 के रूप में संलग्न है।

भा.प्र.सेवा अधिकारियों के लिए 110वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
(13 फरवरी से 06 अप्रैल, 2012)

विवरण	पाठ्यक्रम का ब्योरा
पाठ्यक्रम का नाम	110वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि तथा तिथि	13 फरवरी से 06 अप्रैल, 2012
पाठ्यक्रम टीम	दुष्यंत नरियाला, पाठ्यक्रम समन्वयक जयंत सिंह, सह पाठ्यक्रम समन्वयक निधि शर्मा, सह पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. पुनीत मोहन, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र.सेवा अधिकारियों (भा.प्र.सेवा में प्रोन्नत या चयनित सूची वाले) के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी / लक्ष्य समूह	विभिन्न राज्य सरकारों की चयनित सूची के अधिकारियों को भा.प्र. सेवा में पदोन्नति के उपरांत 8 सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करना अनिवार्य है।
समूह गठन, पुरुष / महिला अधिकारियों का ब्योरा	पुरुष – 21 महिलाएं– 06 कुल – 27
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
समापन भाशण	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रशासकों के रुप में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए अंतर–विषय ज्ञान एवं कौशल अर्जित करना तथा उसे अद्यतन करना।
- अनुभवों, विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान से अखिल भारतीय परिदृश्य को समझना।
- प्रतिभागियों को नवीन सूचना–प्रौद्योगिकी कौशल तथा प्रबंधकीय तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान, समूह चर्चा, समूह कार्य, अनुभव से सीख, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, प्रकरण अध्ययन और देश के विभिन्न भागों में 2 सप्ताह का स्थान–परिचय भ्रमण शामिल था।

प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार के संगठनों सार्वजनिक उपक्रमों, सुविख्यात निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संगठनों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर संवैधानिक प्राधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विनिमय का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्मिक राज्य मंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिवालय के समन्वय सचिव से भी मुलाकात की। अध्ययन दौरे के अंतर्गत बांग्लादेश अथवा श्रीलंका का दौरा भी शामिल किया जाएगा।
इन प्रतिभागियों को निम्नलिखित अतिथि वक्ताओं ने संबोधित किया :–

1 श्री के.एल. शर्मा, निदेशक, मंत्रिमंडल सचिवालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
2 डॉ. एम.एन. रॉय, साल्ट लेक, कोलकाता
3 श्री अनिल कुमार भारद्वाज, प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक, वन्यजीव संस्थान, देहरादून
4 श्री जी.एस. भारद्वाज, प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक, वन्यजीव संस्थान, देहरादून
5 श्री आर.एल. दास, महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, देहरादून
6 श्री राम कुमार कांकाणी, एसोसिएट प्रोफेसर, जमशेदपुर
7 श्री के.एम. पाढ़ी, विजिटिंग प्रोफेसर, नई दिल्ली
8 श्री राजीव चावला, भा.प्र.सेवा, प्रधान सचिव, कर्नाटक सरकार, बंगलौर
9 श्री रमेश चंद्र, निदेशक (अनुसंधान), एन.आई.ए.आर.

110वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–09 में दिया गया है।

भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 111वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

23 जुलाई से 14 सितंबर, 2012

पाठ्यक्रम समन्वयक	जयंत सिंह
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	जसप्रीत तलवार, निधि शर्मा, डॉ. ए.एस. रामचंद्रन
पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों (भा.प्र. सेवा में पदोन्नत या चयनित सूची वाले) के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी/लक्ष्य समूह	भा.प्र. सेवा में पदोन्नत विभिन्न राज्य सरकार की चयन सूची में शामिल अधिकारियों को 8 सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होना अनिवार्य है।
समूह/संगठन तथा पुरुष/ महिला अधिकारियों का ब्योरा	पुरुष – 27 महिला– 06 कुल –33
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
समापन संबोधन	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रशासकों के रूप में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए अंतर–विषय ज्ञान एवं कौशल अर्जित करना तथा

उसे अद्यतन करना।

- अनुभवों, विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान से प्रशासनिक मुद्दों एवं सुशासन की चुनौतियों के संबंध में अखिल भारतीय परिदृश्य को समझना।
- प्रतिभागियों को नवीन सूचना–प्रौद्योगिकी कौशल तथा प्रबंधकीय तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान एवं परिचर्या, प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, समूह कार्य, अनुभव से सीख, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, प्रस्तुतियों के आदान–प्रदान कार्यक्रम से अनुभव प्राप्त करना, फिल्म एवं परिचर्या मैनेजमेंट गेम, सिंडीकेट कार्य, क्षेत्रीय भ्रमण और देश के विभिन्न भागों में 2 सत्पाह का स्थान–परिचय भ्रमण शामिल था।

प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार के विभिन्न संगठनों सार्वजनिक उपक्रमों, सुविख्यात निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संगठनों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर संवैधानिक प्राधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विनिमय का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्मिक राज्य मंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिवालय के समन्वय सचिव से भी मुलाकात की। अध्ययन दौरे में भूटान, बंगलादेश या श्रीलंका का भ्रमण किया जाएगा।

इन प्रतिभागियों को निम्नलिखित प्रख्यात अतिथि वक्ताओं ने संबोधित किया :

1 श्री के. एम. पाठी, विजिटिंग प्रोफेसर, नई दिल्ली।
2 श्री रमेश चंद्र, निदेशक (अनुसंधान), एन.आई.ए.आर.।
3 श्री रुद्र गंगाधरन, पूर्व सचिव, भारत सरकार एवं निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी।
4 सुश्री वर्तिका नंदा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय।
5 श्री ए.ए. फैजी, प्रोफेसर, एन.आई.ए.आर. ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी।
6 श्री प्रमोद उनियाल पूर्व महाउपनिदेशक, रेलवे स्टाफ कॉलेज, बड़ोदरा, गुजरात।
7 श्री विकास शील, सचिव, खाद्य एवं सिविल आपूर्ति, छत्तीसगढ़
8 श्रीमती शांता सिन्हा, प्रोफेसर, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल अधिकार सुरक्षा आयोग, नई दिल्ली
9 श्री कबीर वाजपेयी, प्रमुख, वास्तुकार, वाय, सन्टर फॉर आर्किटेक्चुरल रिसर्च एवं डीजाइन, नई दिल्ली।
10 श्री टी. नंदा कुमार, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), माननीय सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
11 कॉमोंडो एस.पी.एस. दलाल, वी.एस.एम., संस्थापक एवं निदेशक, स्ट्रेस मैनेजमेंट एवं रिसर्च इंस्टीच्यूट, नई दिल्ली
12 श्री रोहित निदेशक एवं एच.सी.एम. आर.आई.पी.ए., जयपुर।
13 सुश्री श्रेया गड्डेपल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, आई.टी.डी.पी. अहमदाबाद।
14 श्री राहुल खुल्लर, अध्यक्ष भारत टेलीकॉम रेग्यूलेटरी प्राधिकारी, नई दिल्ली।
15 श्री जी.एस. भारद्वाज, प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक, वन्यजीव संस्थान, देहरादून।
16 सुश्री एस. अपर्णा, भा.प्र. सेवा, सचिव, (आर्थिक मामले) सचिवालय, गांधीनबर, गुजरात।
17 श्री सोमेन बाग्ची, निदेशक, कक्ष सं. 3005, जवाहरलाल नेहरू भवन, नई दिल्ली

111वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट –10 में दिया गया है।

भा.प्र. सेवा अधिकारियों के लिए 112वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

08 अक्तूबर से 30 नवम्बर

पाठ्यक्रम समन्वयक	निधि शर्मा दुष्यंत नरियाला
सह पाठ्यक्रम समन्वयक	जयंत सिंह राम कुमार कांकाणी
पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों (भा.प्र. सेवा में पदोन्नत या चयनित सूची वाले) के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी/लक्ष्य समूह	विभिन्न राज्य सरकारों की चयनित सूची के अधिकारियों को भा.प्र. सेवा में पदोन्नति के उपरांत 8 सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करना अनिवार्य है।
समूह/संगठन तथा पुरुष/ महिला अधिकारियों का ब्योरा	पुरुष – 33 महिला– 03 कुल –36
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री के. जय कुमार, मुख्य सचिव, केरल सरकार
समापन भाषण	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रशासकों के रूप में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए अंतर–विषय ज्ञान एवं कौशल अर्जित करना तथा उसे अद्यतन करना।
- अनुभवों, विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान प्रशासनिक एवं सुशासन की चुनौतियों से अखिल भारतीय परिदृश्य को समझना।
- प्रतिभागियों को नवीन सूचना–प्रौद्योगिकी कौशल तथा प्रबंधकीय तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान एवं परिचर्या, प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, समूह कार्य, अनुभव से सीख, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, प्रस्तुतियों के आदान–प्रदान कार्यक्रम से अनुभव प्राप्त करना, फिल्म एवं परिचर्या मैनेजमेंट गेम, सिंडीकेट कार्य, क्षेत्रीय भ्रमण और देश के विभिन्न भागों में 2 सत्पाह का स्थान–परिचय भ्रमण शामिल था।

प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार के संगठनों सार्वजनिक उपक्रमों, सुविख्यात निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संग. ठनों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर संवैधानिक प्राधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विनिमय का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्मिक राज्य मंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिवालय के समन्वय सचिव से भी मुलाकात की। अध्ययन दौरे में भूटान, बंगलादेश या श्रीलंका का भ्रमण किया जाएगा।

इन प्रतिभागियों को निम्नलिखित प्रख्यात अतिथि वक्ताओं ने संबोधित किया :

1. श्री रुद्र गंगाधरन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, भारत सरकार एवं निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी
2. श्री के.एम. पाठी, विजिटिंग प्रोफेसर, नई दिल्ली
3. प्रोफेसर जी. रघुराम, वाईस चांसलर, भारतीय मेरीटाइम विश्वविद्यालय
4. सुश्री मधु किश्वार, संस्थापक संपादक, 'मानुषी', नई दिल्ली
5. श्री अरुण जेटली, सांसद, नई दिल्ली
6. श्री श्याम शरण, कार्यकारी अध्यक्ष, आर.आई.एस., नई दिल्ली
7. दिलीप सिमोन, अध्यक्ष, अमन पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली
8. श्री रमेश चंद्र, निदेशक, अनुसंधान, एन.आई.ए.आर.
9. श्री चेरिअन थॉमस, ग्रुप हेड, केपेसिटी बिल्डिंग, आई.डी.एफ.सी. फाउंडेशन, नई दिल्ली
10. श्री दीपक सनन, भा.प्र. सेवा, मुख्य सचिव (राजस्व), हिमाचल प्रदेश, शिमला
11. श्री अशोक गुलाटी, अध्यक्ष, कृषि कीमत एवं मूल्य आयोग (सी.ए.सी.पी.), नई दिल्ली
12. प्रो. अनिल गुप्ता, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रपुर, अहमदाबाद
13. श्री एस.पी.एस. दलाल, संस्थापक एवं निदेशक, स्ट्रेस प्रबंधन एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
14. श्री बी.एस. बासवान, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), ई–12/1, वसंत विहार, नई दिल्ली
15. श्री क्रिस्टोफर कोस्ट, तकनीकी निदेशक, परिवहन एवं. विकास नीति संस्थान, अहमदाबाद
16. डॉ. के. सीता प्रभु, वरिष्ठ सलाहकार, यू.एन.डी.पी., नई दिल्ली
17. श्री संतोष बाबू, संस्थापक और प्रबंधन निदेशक, वैकल्पिक परामर्शदाता विकास संगठन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
18. प्रो. एस. चेरी, डीन– अनुसंधान एवं प्रबंध अध्ययन (ए.एस.सी.आई.), हैदराबाद
19. श्री सोमेन बाग्ची, निदेशक (दक्षिण), एम.ई.ए., नई दिल्ली
20. डॉ. पी.एम. नायर, भा.पु. सेवा, पुलिस महानिदेशक (ए.डी.आर.एफ) एवं सी.डी., भारत सरकार
21. डॉ. वर्तिका नंदा, असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
22. प्रो. प्रदीप चक्रवर्ती, दून विश्वविद्यालय, मसूरी
23. श्री दीपक सनन, भा.प्र. सेवा, प्रमुख सचिव (राजस्व), हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला

112वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–11 में दिया गया है।

भा.प्र.सेवा अधिकारियों के लिए 113वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
(25 फरवरी से 19 अप्रैल, 2013)

विवरण	पाठ्यक्रम का ब्योरा
पाठ्यक्रम का नाम	113वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि तथा तिथि	25 फरवरी से 19 अप्रैल, 2013
पाठ्यक्रम टीम	जयंत सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रेम सिंह, सह पाठ्यक्रम समन्वयक अभिषेक स्वामी, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	भा.प्र.सेवा अधिकारियों (भा.प्र.सेवा में प्रोन्नत या चयनित सूची वाले) के लिए प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम
कार्यक्रम के प्रतिभागी / लक्ष्य समूह	विभिन्न राज्य सरकारों की चयनित सूची के अधिकारियों को भा.प्र. सेवा में पदोन्नति के उपरांत 8 सप्ताह का प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा करना अनिवार्य है।
समूह गठन तथा पुरुश/ महिला अधिकारियों का ब्योरा	पुरुष – 33 महिलाएं– 02 कुल – 35
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
समापन भाशण	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रशासकों के रूप में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्य करने के लिए अंतर–विषय ज्ञान एवं कौशल अर्जित करना तथा उसे अद्यतन करना।
- अनुभवों, विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान–प्रदान से अखिल भारतीय परिदृश्य को समझना।
- प्रतिभागियों को नवीन सूचना–प्रौद्योगिकी कौशल तथा प्रबंधकीय तकनीकों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अपनाई गई प्रशिक्षण विधियों में व्याख्यान तथा परिचर्चाएं प्रकरण अध्ययन, पैनल चर्चा, समूह कार्य, कंप्यूटर का व्यावहारिक ज्ञान, अनुभव आदान–प्रदान प्रस्तुति, फिल्म तथा चर्चा, मैनेजमैंट गेम, समूह कार्य तथा फील्ड भ्रमण शामिल था।

प्रतिभागियों को राज्य एवं केंद्र सरकार के संगठनों सार्वजनिक उपक्रमों, सुविख्यात निजी क्षेत्रों, गैर सरकारी संगठनों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करने की दृष्टि से विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया तथा उन्हें विभिन्न स्थानों पर संवैधानिक प्राधिकारियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विनिमय का अवसर प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने सरकार के वरिष्ठ पदाधिकारियों यथा– भारत के महामहिम राष्ट्रपति, कार्मिक राज्य मंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिव से भी मुलाकात की। अध्ययन दौरे के अंतर्गत श्रीलंका का दौरा भी शामिल किया जाएगा।

इन प्रतिभागियों को निम्नलिखित अतिथि वक्ताओं ने संबोधित किया :–

1. श्री रमेश चंद्रा, निदेश अनुसंधान, एनआईएआर.
2. डॉ. के.एम. पाढी, विजिटिंग प्रोफेसर, नई दिल्ली
3. श्री किशन सिंह रौतेला, एमआईएस विशेषज्ञ, (एडीबी टीए 7625 आइएनडी), उत्तराखण्ड पीपीपी सेल.
4. श्री सुमित बरूआ, सार्वजनिक निजी भागीदारी विशेषज्ञ, एशियाई विकास बैंक, देहरादून
5. कॉमोडो एस.पी.एस. दलाल, (सेवानिवृत्त), संस्थापक निदेशक, अनुसंधान प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली।
6. श्री आशीष वच्छानी, भा.प्र.सेवा, निदेशक, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।
7. श्री एम.वी. कृष्णा राव भा.पु.सेवा., पूर्व महानिदेशक, हैदराबाद।
8. श्री एम. सुब्रमण्यन, निदेशक, इसी ओएसएएन, तमिलनाडु।

9 कर्नल अतुल भट्ट, संयुक्त निदेशक, डीआरडीओ, नई दिल्ली।
10 श्री वी.वी.आर. शास्त्री, ई.डी.सी. डीओटी, नई दिल्ली।
11 डॉ. बी.एम. हेगड़े, कार्यकारी निदेशक आईटी, केरल।
12 श्री अबुल नसार कैपनचैरी, निदेशक आईटी परियोजना, तिरुवनंतपुरम, केरल।
13 प्रो. श्रीनिवास चारी वेडला, डीन अनुसंधान और प्रबंधन अध्ययन, हैदराबाद।
14 डॉ. नीता शाह, निदेशक (ई. शासन) गुजरात सूचना विभाग, गांधीनगर।
15 श्री ओम प्रकाश चौधरी, कलेक्टर, दंतेवाड़ा।
16 श्री पी.टी. जोसेफ, डीन टीआईएसएस, मुंबई।
17 श्री ए.ए.ए. फैजी, एनआईएआर, ला.ब.शा.रा.प्र.अ, मसूरी।
18 डॉ. प्रीति सोनी, सलाहकार जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी), नई दिल्ली।
19 श्री श्रीनिवासन अयर, सहायक निदेशक एवं ऊर्जा एवं पर्यावरण इकाई, यूएनडीपी, नई दिल्ली।
20 डॉ. आशा राजवंशी, वैज्ञानिक 'एफ' भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून।
21 डॉ. इन्द्रजीत पाल, एसोसिएट प्रोफेसर, सीडीएम, एनआईएआर, ला.ब.शा.रा.प्र.अ, मसूरी।
22 श्री सतीश ब्रोही, वरिष्ठ कोच, ला.ब.शा.रा.प्र.अ, मसूरी।
23 श्री संदीप अहलुवालिया, जिला और सत्र न्यायाधीश, कोलकाता।

113वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–12 में दिया गया है।

संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य, प्रमुख गतिविधियां:

- राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित विभिन्न आयामों तथा इसके घटकों तथा ऐसी सुरक्षा की चुनौतियों से संबंधित जानकारी में वृद्धि करना।
- राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रबंध की चुनौतियों से अवगत कराना, उभरते हुए बाह्य सुरक्षा परिवेश, वैश्वीकरण तथा आंतरिक सुरक्षा परिवेश का असर इत्यादि,
- प्रतिभागियों को इस विषय पर विचार–विमर्श का अवसर प्रदान करना; तथा
- राज्य, प्रभाग और जिला स्तर पर सिविल–सैन्य विचार–विनिमय का अवसर प्रदान करना।

पाठ्यक्रम सामग्री विशुद्ध सैन्य मामलों से लेकर आर्थिक सुरक्षा, आसूचना, आतंकवाद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि विषयों तक व्यापक होती है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान सत्रों के अतिरिक्त प्रकरण अध्ययन, परिदृश्य नियोजन अभ्यास तथा युद्ध खेल प्रमुखतः शामिल किए जाते हैं।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य, समुचित प्रशिक्षण द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित जानकारी, दक्षता तथा व्यवहार की कमी को दूर करना है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर 18वां संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
(07 से 18 मई, 2012)

विवरण	ब्योरा
पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मलेन का नाम	राष्ट्रीय सुरक्षा पर 18वां सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि एवं तिथि	7 से 18 मई, 2012
पाठ्यक्रम टीम	जयंत सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक जसप्रीत तलवार, सह पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. एस.एच. खान, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का मुख्य पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के सुधार पर मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्श 2002 में आरंभ किया गया था।

पाठ्यक्रम के प्रतिभागी	भा.प्र. सेवा., भा.पु.सेवा. भा.वन सेवा, भा.रा.सेवा., भा.र.ले.सेवा, आसूचना ब्यूरो, भा.उ.शु.सी.शु. सेवा, के.अन्वेशण ब्यूरो, मंत्रिमंडल सचिवालय के अधिकारी (निदेशक/संयुक्त सचिव) सशस्त्र बलों के अधिकारी (ब्रिगेडियर/कर्नल, कामोडोर स्तर के) अर्धसैनिक बलों के अधिकारी (उप पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस महा निरीक्षक स्तर के) निजी क्षेत्र मीडिया
समूह गठन तथा महिला एवं पुरुश अधिकारी	कुल – 33; पुरुष – 31, महिला– 02
कार्यक्रम उद्घाटन	श्री संजीव चोपड़ा, संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी
समापन भाशण	सुश्री लता रेड्डी, उप–राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा सचिव, एन.एस.सी.एस., नई दिल्ली

अथिति वक्ता

- श्री मारूफ रजा, प्रतिरक्षा विश्लेषक, नई दिल्ली
- श्री प्रकाश सिंह, पुलिस महानिदेशक(सेवानि.), सीमा सुरक्षा बल, नई दिल्ली
- सुश्री नीलमणि एन.राजू, संयुक्त निदेशक, आसूचना ब्यूरो, नई दिल्ली
- श्री जिशनु बरूआ, आयुक्त एवं मुख्यमंत्री के सचिव, असम सरकार।
- श्री राहुल रसगोत्रा, संयुक्त निदेशक खुफिया ब्यूरो, नई दिल्ली।
- मेजर जनरल के.जे. सिंह, एडीजी (पी.पी), नई दिल्ली।
- ब्रिगेडियर विकल साहनी, एसएम, बीजीएस (सीपी), सेना प्रशिक्षण कमान मुख्यालय, शिमला।
- श्री के.सी. सिंह, सुरक्षा विशेषज्ञ तथा विदेश मंत्रालय के पूर्व सचिव, नई दिल्ली।
- सुश्री सुधा महालिंगम, सदस्य, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड, भारत।
- श्री पी.के. तिवारी, निदेशक, एफ.आई.यू., नई दिल्ली।
- रीडर एडमिरल मोन्टी खन्ना, नौसेना के सहायक प्रमुख, नई दिल्ली।
- एयर वाईस मार्शल अर्जुन सुब्रह्मन्यम, एवीएसएम, नई दिल्ली।
- श्री पंकज कुमार सिंह, आईपीएस, आईजीपी (ओपीएस), सीआरपीएफ, निदेशालय नई दिल्ली।
- कर्नल एस.के. सेंगर, सिकंदराबाद।
- कर्नल रशीम बाली, सिंकदराबाद।
- रीडर एडमिरल के.आर मेनन, (सेवानिवृत्त)
- श्री प्रवीण स्वामी, राष्ट्रीय ब्यूरो प्रमुख, द हिंदू, पीटीआई भवन, नई दिल्ली।
- श्री संजीव कुमार त्रिपाठी, सविच(आर), केबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली।
- श्री सुजीत दत्ता, प्रोफेसर, नेल्सन मंडेला सेंटर, नई दिल्ली।
- कॉमोडोर सुजीत समादर, एनएम, (सेवानिवृत्त)
- विंग कमांडर अजेय लेले, रिसर्च फेलो, आईडीएसए, नई दिल्ली।
- सुश्री नम्रता गोस्वामी, आईडीएसए, नई दिल्ली।
- श्री निहार नायक, आईडीएसए, नई दिल्ली।
- सुश्री लता रेड्डी, उप सलाहकार एवं सचिव, एनएससीएस, नई दिल्ली

18वें संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–13 के रूप में संलग्न है।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर 19वां संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
(17 से 28 दिसंबर, 2012)

विवरण	ब्योरा
पाठ्यक्रम / संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मलेन का नाम	राष्ट्रीय सुरक्षा पर 19वां सिविल सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि एवं तिथि	17 से 28 दिसंबर, 2012
पाठ्यक्रम टीम	डॉ. एस.एच. खान, पाठ्यक्रम समन्वयक श्री अभिषेक स्वामी, सह–पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	राष्ट्रीय सुरक्षा पर संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमी का मुख्य पाठ्यक्रम है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र के सुधार पर मंत्रियों के समूह की रिपोर्ट पर अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए वर्ष 2002 में आरंभ किया गया था।
पाठ्यक्रम के प्रतिभागी	i. भा.प्र. सेवा., भा.पु.सेवा. भा.वन सेवा, भा.रा.सेवा., भा.र.ले.सेवा, आसूचना ब्यूरो, भा. उ.शु.सी.शु. सेवा, के.अन्वेशण ब्यूरो, मंत्रिमंडल सचिवालय के अधिकारी (निदेशक / संयुक्त सचिव) ii. सशस्त्र बलों के अधिकारी (कैप्टेन, ग्रुप कैप्टेन, कर्नल, कामोडोर स्तर के) iii .अर्धसैनिक बलों के अधिकारी (उप पुलिस महानिरीक्षक / पुलिस महा निरीक्षक स्तर के) iv. निजी क्षेत्र एवं मीडिया

अतिथि वक्ताः

- श्री अजीत लाल, अध्यक्ष, संयुक्त खुफिया समिति, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् सचिवालय, भारत सरकार, नई–दिल्ली।
- श्री एम.जे. अकबर, प्रमुख भारतीय पत्रकार, लेखक एवं संपादकीय निदेशक, इंडिया टूडे।
- श्री भरत कर्नाड, प्रोफसर, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली।
- रियर एडमिरल ए.के. चावला, एन.एम, एसीएनएस (पी एंड पी), नई दिल्ली।
- लेफ्टिनेंट जनरल फिलीप कम्पोस, वी.एस.एम, महानिदेशक।
- श्री मारूफ रजा, रक्षा विश्लेषक, नई दिल्ली।
- श्री विक्रम दोरईस्वामी, संयुक्त निदेशक (एएमएस), विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली।
- श्री चंद्रशेखर दासगुप्ता, जयवायु परिवर्तन परिषद, नई दिल्ली।
- श्री ए.के. डोवाल, पूर्व निदेशक, खुफिया विभाग, निदेशक, विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय संस्थान।
- न्यायमूर्ति श्री एस.एन. ढींगरा, सदस्य, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, नई दिल्ली।
- श्री स्वपन चट्टोपाध्याय, ओएसडी, केबिनेट सचिवालय, नई दिल्ली।
- एयर वाईस मार्शल सी. हरि कुमार, वीएम, वीएसएम, सहायक वायुसेनाध्यक्ष
- श्री एस.पी. तालुकदार, पूर्व अपर निदेशक खुफिया विभाग।
- श्री गिरिधारी नायक, पुलिस अपर महानिदेशक (जेल), चण्डीगढ़ सरकार।
- सुश्री मधु किश्वार, संस्थापक संपादक, मानुशी, नई दिल्ली।
- डॉ. डी.सी. मिश्रा, कमिश्नर जिला बस्तर, छत्तीसगढ़।

- श्री विवेक काटजू, पूर्व सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।
- कर्नल एस.के. सेंगर, रक्षा प्रबंधन कालेज, सिकंदराबाद।
- कर्नल आर. बाली, रक्षा प्रबंधन कालेज, सिकंदराबाद।

19वें संयुक्त सिविल–सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–14 के रूप में संलग्न है।

अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

यह अकादमी तीन प्रमुख विषयों पर प्रत्येक वर्ष एक–एक सप्ताह के एक से तीन पाठ्यक्रम आयोजित करती है। इन पाठ्यक्रमों में विभिन्न स्तर के वरिष्ठता वाले अधिकारी सम्मिलित होते हैं।

"आपदा प्रबंधन" पर अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम (25 से 29 मार्च, 2012)

विवरण	पाठ्यक्रम का ब्योरा
पाठ्यक्रम का नाम	"आपदा प्रबंधन" पर अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि तथा तिथि	25 से 29 मार्च, 2013
पाठ्यक्रम टीम	श्री जयंत सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक सी.डी.एम. टीम तथा प्रशि–III
पाठ्यक्रम परिचय	इस कार्यक्रम का उद्देश्य गहन आपदा प्रबंधन के संदर्भ में ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्ति में अंतर को समुचित प्रशिक्षण के जरिए पूरा करना है।
कार्यक्रम के प्रतिभागी/लक्ष्य समूह	भा.प्र.सेवा, भा.पु.सेवा, भा.वन सेवा, सशस्त्र बलों, अर्ध–सैन्य बलों ,सीमा सड़क संगठन, रेलवे तथा केंद्रीय सेवाओं के अधिकारी
समूह गठन तथा पुरुष/महिला अधिकारियों	पुरुश – 20 महिलाएं– 02 कुल – 22
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री जे.के. सिन्हा, सदस्य, एन.डी.एम.ए. नई दिल्ली
समापन भाशण	श्री पदमवीर सिंह, भा.प्र. सेवा निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य, प्रमुख गतिविधियां

- आपदा प्रबंधन से संबंधित विविध आयामों के भिन्न–भिन्न दृष्टिकोणों को समझना।
- आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम बातों तथा प्रवृत्तियों को समझना।

इसमें विशुद्ध आपदा से संबंधित विषयों से लेकर आपदा प्रतिक्रिया सिस्टम, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, जलवायु परिवर्तन एवं आपदा प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी का आपदा प्रबंधन में योगदान, आपदा प्रबंधन में पुलिस तथा सशस्त्र बलों की भूमिका, आपदा के समय प्रतिक्रिया तंत्र, आपदा में जी.आई.एस. तथा रिमोट सेंसिंग का प्रयोग, वनाग्नि, तथा भारत में हाल की आपदाओं पर प्रकरण अध्ययन जैसी बातों को लिया गया। समूह अभ्यास के अतिरिक्त, ब्रेन स्टॉर्मिंग, टेबल टॉप एक्सरसाइज, अनुभव आदान–प्रदान तथा प्रकरण अध्ययनों का भी सहारा लिया गयझं

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य गहन आपदा प्रबंधन के संदर्भ में ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्ति में अंतर को समुचित प्रशिक्षण के जरिए पूरा करना था।

कार्यक्रम के प्रतिभागी	कुल – **46** पुरुष – **43** महिलाएं– **03**
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
समापन भाषण	श्री कुश वर्मा, भा.प्र. सेवा महानिदेशक, एन.आई.ए.आर, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

अतिथि वक्ता

- श्री जे.के सिन्हा, सदस्य, एनडीएमए, नई दिल्ली।
- श्री संदीप राय राठौर, आईपीएस, आईजी, एनडीआरएफ एवं सीडी, नई दिल्ली।
- मेजर जनरल वी.के. दत्ता, वरिष्ठ विशेषज्ञ, एनडीएमए, नई दिल्ली।
- डॉ. आर के. देव, वरिष्ठ विशेषज्ञ, एनडीएमए, नई दिल्ली।
- श्री राजीव तोपनो, निदेशक, पीएमओ, नई दिल्ली।
- डॉ. ए.के. वहाल, महानिदेशक, एफएसआई, देहरादून।
- डॉ. जानकी आनधरिया, प्रोफेसर, टीआईएसएस, मुंबई।
- डॉ. देबाशीष मिश्रा, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान देहरादून।
- श्री ए.के. सिंह, जिला मजिस्ट्रेट, पूर्वी सिक्किम
- श्री विक्रांत महाजन, सी.ई.ओ., स्फेयर इंडिया, नई दिल्ली

"आपदा प्रबंधन" पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–16 के रूप में संलग्न है।

"वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति" पर 17वां कार्यक्रम
(16 से 20 अप्रैल, 2012)

विवरण	पाठ्यक्रम का ब्योरा
पाठ्यक्रम का नाम	"वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति" पर 17वां प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि तथा तिथि	**16 से 20 अप्रैल, 2012**
पाठ्यक्रम टीम	श्री तेजवीर सिंह, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. ए.एस. रामचंद्रन, सह पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	प्रतिभागियों को आचार–नीति/नैतिक दर्शन के बुनियादी सिद्धांतों से परिचित करना।
समूह गठन तथा पुरुष/ महिला अधिकारियों का ब्योरा	पुरुष महिलाएं भा.प्र.सेवा **04** **02** भा.पु.सेवा **05** – भा.वि.सेवा **10** – भा.वायु सेना **02** – भा. सेना **01** – पुरुष – **22** महिलाएं– **02** कुल – **24**

पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं प्रमुख गतिविधियां

- प्रतिभागियों को आचार–नीति/नैतिक दर्शन के बुनियादी सिद्धांतों के बारे मे जानकारी देना।
- उन्हें उन जीवन–मूल्यों के बारे में चिंतन करने को कहना जो लोक नीति का निर्धारण एवं उनके क्रियान्वयन को सुदृढ़ करती हैं।
- उन्हें ऐसी आचार–नीति के बारे में बताना जिससे नीति निर्माता, लोक मुद्दों का दृढ़ता से सुनिश्चित करने में

उपयोग कर सकें।

- पाठ्यक्रम के उद्देश्य को पूरा करने के लिए व्यवस्थित व्याख्यान, पैनल परिचर्चा, अनुभव आदान–प्रदान करने तथा प्रकरण अध्ययन की पद्धति अपनाई गई थी।

अतिथि वक्ता

- श्री टी.आर. रघुनंदन, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त), बंगलौर
- प्रो. शेखर सिंह, एन.सी.पी.आर.आई, नई दिल्ली
- डॉ. एन.सी. सक्सेना, भा.प्र. सेवा (सेवानिवृत्त),राष्ट्रीय सलाहकार परिषद, नई दिल्ली
- सुश्री मोना डांगे, सी.सी.ओ., जी.ई. इंडिया, गुड़गांव
- श्री के. सलीम अली, भा.पु.सेवा, अपर निदेशक, के.अन्वेषण ब्यूरा, नई दिल्ली
- श्री संदीप वर्मा, भा.प्र.सेवा, निदेशक, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली
- प्रोफे. जी.रमेश, आई.आई.एम. बंगलौर

"वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति" 17वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट–15 के रूप में संलग्न है।

"समग्र गुणवत्ता प्रबंधन" पर अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम (5 से 9 नवंबर, 2012)

विवरण	पाठ्यक्रम का ब्योरा
पाठ्यक्रम/कार्यक्रम का नाम	"समग्र गुणवत्ता प्रबंधन" पर अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
अवधि तथा तिथि	05 से 09 नवंबर , 2012
पाठ्यक्रम टीम	डॉ. एस.एच. खान, उ.नि.व. एवं पाठ्यक्रम समन्वयक श्री दुष्यंत नरियाला,उ.नि.व. एवं सह–पाठ्यक्रम समन्वयक
पाठ्यक्रम परिचय	इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सेवा प्रदान करने में गुणवत्ता के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न सिविल सेवाओं के अधिकारियों सहित रक्षा अधिकारियों की भी भागीदारी रही है।
समूह गठन तथा पुरुष/महिला अधिकारियों का ब्यौरा	भा.प्र.सेवा, भा.पु.सेवा, भा.वन सेवा, सशस्त्र बल, अर्ध–सैन्य बल, सीमा सड़क संगठन, रेलवे और केंद्रीय सेवाएं
कार्यक्रम के प्रतिभागी	अखिल भारतीय सेवाओं (भा.प्र.सेवा. भा.पु.सेवा, भा.वन सेवा तथा भारतीय सेना) के लिए
कार्यक्रम का उद्घाटन	श्री संजीव चोपड़ा, भा.प्र. सेवा संयुक्त निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी
समापन भाषण	श्री कुश वर्मा, भा.प्र. सेवा जनरल निदेशक, एन.आई.ए.आर., ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी, मसूरी

पाठ्यक्रम उद्देश्य एवं प्रमुख गतिविधियां:

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को समग्र गुणवत्ता प्रबंधन, सेवा सेक्टर में नेतृत्व का विकास, 5एस के जरिए आंतरिक व्यवस्था सुधार, लोक सेवाओं में नवाचार, प्रक्रिया मानचित्रण तथा समस्या चिह्नीकरण और उनका गुणवत्ता विधियों एवं साधनों से समाधान, और बेंचमार्किंग की प्रक्रिया पर विचार–विमर्श करना तथा उनको समझना है। पाठ्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागी निम्न उद्देश्यों को प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे –

- समग्र गुणवत्ता प्रबंधन की संकल्पना में वृद्धि तथा गुणवत्ता मॉडलों की समझ

- यह समझ पाना कि प्रभावी नेतृत्व किस तरह गुणवत्ता में सहायक होता है
- समस्याओं की पहचान तथा उनको सुव्यवस्थित ढंग से हल करने की दक्षता का विकास
- सेवा प्रदायगी में नवाचार से परिचित होना
- बेंचमार्किंग को समझना
- यह सीखना कि आई.एस.ओ. के बारे में कैसे जाना जाता है
- अपने–अपने संगठनों के सुधार की रूपरेखा विकसित करने में समर्थ होना।

इस पाठ्यक्रम में गुणवत्ता, नेतृत्व, हाउसकीपिंग 5एस, बेंचमार्किंग, ईएफक्यूएम मॉडल, क्यू.सी. टूल्स के जरिये समस्या समाधान, प्रक्रिया मानचित्रण, आई.एस.ओ., बी.पी.आर., 6 सिग्मा, सेवा प्रदायगी में नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान के साथ चर्चा, प्रकरण अध्ययन, समूह कार्य अभ्यास, मूवी और अनुभव आदान–प्रदान जैसी विधियों के जरिए सहभागी शिक्षण के लिए परिवेश तैयार किया जाता है।

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य गहन आपदा प्रबंधन के संदर्भ में ज्ञान, कौशल तथा अभिवृत्ति में अंतर को समुचित प्रशिक्षण के जरिए पूरा करना था।

अतिथि वक्ता :

1. डॉ. नितिन करीर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के सचिव
2. श्री अजय भादू, नगर आयुक्त, राजकोट नगर निगम
3. श्री नीरत कुमार पवन, आवास आयुक्त, राजस्थान आवास बोर्ड
4. डॉ. सबाहत एस. अजीम, सी.ई.ओ., ग्लोकल हेल्थकेयर, नई दिल्ली
5. डॉ. एन. रविचंद्रन, सी.ई.ओ., टी.वी.एस. लिमिटेड
6. श्री एस.के. कक्कड़, ओ.पी.ई.सी, नई दिल्ली
7. श्री आशुतोष पांडेय, क्यू.एंड पी. प्रबंधक, नोकिया नेटवर्क
8. श्री ध्रुव डार, संकाय, ए.एस.क्यू., नई दिल्ली

"जेंडर संबंधी मुद्दों" पर अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम (28 मई से 01 जून, 2012)

राष्ट्रीय जेंडर केंद्र ने अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के लिए 'जेंडर संबंधित विषयों' पर कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार तथा यू.एन.–वुमॅन, नई दिल्ली के सहयोग से 28 मई से 01 जून, 2012 को इस अकादमी में पांच–दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों से तीनों अखिल भारतीय सेवाओं (भा.प्र. सेवा–07, भा.वन सेवा–09, भा.पु. सेवा–06 तथा रक्षा'02) के कुल 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन 24 प्रतिभागियों में 08 महिलाएं और 16 पुरुष थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अखिल भारतीय सेवाओं तथा रक्षा सेवाओं के अधिकारियों को एक मंच पर लाकर सरकार में जेंडर को मुख्य धारा में लाए जाने की आवश्यकता पर विचार–विनिमय करना था। इस कार्यक्रम का मूल अवयव शिक्षण–विधियों तथा अभ्यासों के जरिए ऐसी कुछ अहम संकल्पनाओं से अवगत कराना था जो जेंडर संबंधित विषयों को विस्तार से समझने में प्रतिभागियों की मददगार होंगी। इस पाठ्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों को जेंडर को मुख्य धारा में लाने की दिशा में सकारात्मक कार्रवाई के लिए अपेक्षित ज्ञान तथा साधनों से संपन्न किया जाना था। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य जेंडर को नीति, कार्यक्रम निर्माण तथा क्रियान्वयन की मुख्य धारा में लाना था ताकि जेंडर को सरकार में खास तवज्जो दी जाए। इस पाठ्यक्रम में दो–तरफा शिक्षण प्रक्रिया अपनाई गई और प्रतिभागियों के अनुभवों से समूह के शिक्षण अधिगम में काफी योगदान मिला।

संगोष्ठियां / कार्यशालाएं

विशिष्ट विषय–क्षेत्रों में कई संगोष्ठियां/कार्यशालाएं आयोजित की गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लेने और प्रतिभागियों के साथ विचार–विनिमय के लिए विशषज्ञों/ शिक्षाविदों को आमंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, यह अकादमी अपने संकाय सदस्यों के साथ ही केंद्र और राज्यों के विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के

कौशल–विस्तार एवं उन्नत करने के लिए प्रशिक्षण–विधियों में पाठ्यक्रम भी आयोजित करती है।

राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का सम्मेलन

कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग ने दिनांक 13 दिसम्बर, 2000 के अपने स्वीकृति आदेश संख्या 12012/11/96–टी.एन.पी.(एस) के द्वारा भा.प्र.सेवा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की जांच करने और सिविल सेवकों की व्यावसायिक क्षमता बढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम के विषय–वस्तु में परिवर्तन का सुझाव देने के लिए स्थायी पाठ्यक्रम पुनरीक्षा समिति का गठन किया। स्थायी पाठ्यक्रम पुनरीक्षा समिति की चौथी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों तथा राज्य समन्वयकों का एक वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जाना चाहिए ताकि जिला प्रशिक्षण अपने–अपने पैटर्न तथा प्रशिक्षण से संबंधित अन्य मामलों को नियमित रूप से सरल तथा कारगर बनाया जा सके। इससे प्रशिक्षण की सम्पूर्णता के संबंध में सूचना में बेहतर आदान–प्रदान करने तथा जिला स्तरीय प्रशिक्षण में व्यावसायिक को सुदृढ़ बनाने में कई तरह से सहायता मिलेगी। स्थायी पाठ्यक्रम पुनरीक्षा समिति की सिफारिश का अनुपालन करते हुए ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी में प्रत्येक वर्ष इस सम्मेलन का आयोजन किया जाता है।

इस सम्मेलन का उद्देश्य पिछली बैठक में लिए गए सकल्पों पर कार्रवाई करना तथा पारस्परिक हित के अन्य मुद्दों पर चर्चा करना है जिससे भा.प्र.सेवा अधिकारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण में चहुंमुखी सुधार जाएगा।

राज्य प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 11वां सम्मेलन
(21–22 मई, 2012)

अवधि	2 दिन
तिथि	21–22 मई, 2012
समन्वयक	श्री तेजवीर सिंह
कुल प्रतिभागी	25 (पुरुश–22,महिला–03)

इस अकादमी ने भा.प्र.से. चरण–। के लिए गुणवत्तायुक्त जिला प्रशिक्षण के पैटर्न को सरल तथा कारगर बनाने के उद्देश्य से 11वें वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की। इस सम्मेलन में, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, प्रधान सचिवों (प्रशि.), कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के अधिकारियों तथा अकादमी के संकाय सदस्यों सहित कुल 37 लोगों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में सर्वोत्तम कार्य–संस्कृति का आदान–प्रदान, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा स्व–मूल्यांकन के जरिए 'प्रशिक्षण मॉडल' विकसित करने का संकल्प, संघ–राज्य विनिर्दिष्ट मॉडल की पहचान करने, मीडिया प्रबंध मॉडल के आयोजन हेतु आर.सी.वी.पी., एन.ए.ए. एंड एम. भोपाल का आगे आना, ई–नेटवर्किंग पोर्टल का अधिकतम प्रयोग किए जाने, कतिपय विषयों पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों को पुनः चलाने, राष्ट्रीय प्रशिक्षण नीति के प्रावधानों का कार्यान्वयन करने, प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों को डीम्ड विश्वविद्यालय की मान्यता दिए जाने की संभावनाओं का पता लगाना तथा ए.एस.टी.आइ. को सुदृढ़ करने जैसे विषयों पर खासतौर पर विचार–विमर्श किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार–विनिमय

अकादमी की चरण–। तथा चरण–प्प कार्यक्रमों में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ पारस्परिक विचार–विनिमय करने के लिए भा.प्र.सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों को आंमत्रित करने की परम्परा रही है। इससे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने सेवाकाल में सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में पूरी जानकारी मिलती है।

कार्यक्रम का नाम	केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों का 14वां सम्मेलन
अवधि	16 अक्तूबर, 2012
उपस्थित प्रतिनिधियों/प्रतिभागियों की संख्या	24 (पुरुष 17, महिलाएं 07)
पाठ्यक्रम समन्वयक	जयंत सिंह, उपनिदेशक वरिष्ठ

कार्यक्रम रिपोर्ट

इस कार्यक्रम में निम्नलिखित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया –

- राष्ट्रीय लेखा–परीक्षा तथा लेखा अकादमी, शिमला

- राष्ट्रीय डाक अकादमी, गााजियाबाद
- राष्ट्रीय वित्त प्रबंध संस्थान, फरीदाबाद
- जगजीवन राम आर.पी.एफ. अकादमी, लखनऊ
- राष्ट्रीय सीमा–शुल्क, उत्पाद–शुल्क तथा नारकोटिक्स अकादमी, फरीदाबाद
- विदेश सेवा संस्थान, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी, हैदराबाद
- रेलवे स्टाफ कॉलेज, गुजरात
- राष्ट्रीय सूचना वित्त संस्थान, गाजियाबाद
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून
- राष्ट्रीय रक्षा वित्तीय प्रबंधन अकादमी, पुणे
- भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंध संस्थान, लखनऊ
- स.व.पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद
- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली
- राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी, नागपुर
- राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी, नागपुर
- राष्ट्रीय प्रशासनिक अनुसंधान संस्थान, मसूरी
- ला.ब.शा. राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी

निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी ने केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को आर.एफ.डी. के पीछे विचारों को समझने की जरूरत पर विशेष बल दिया। इसका जो आवश्यक काम है वह यह है कि यह संस्थानों को अपने लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को निर्धारित करने में समर्थ बनाता है। डी.जी. एन.ए.सी.ई.एन. ने अवगत कराया कि उसे आर.एफ.डी. के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए सी.बी.ई.सी द्वारा निर्दिष्ट किया गया है। अधिकांश अकादमियों में एम.सी.टी.पी. का समुचित संचालन किया जाना आर.एफ.डी. का हिस्सा है।

विकलांग प्रशिक्षणार्थियों के लिए सहायता उपाय : निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी ने इस बात पर विशेष बल दिया कि दृष्टिहीन प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण के लिए कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा ऐसा टूल किट जिसमें आवश्यक सॉफ्टवेयर, ब्रेल प्रिन्टर, इत्यादि हों, का मानकीकरण करके सभी केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को उपलब्ध कराना होगा। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को अपने–अपने मंत्रालयों को भर्ती नियमों में समुचित परिवर्तन किए जाने के बारे में लिखा जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अधिकारी की विकलांगता के कारण सेवा प्रदायगी पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। साथ ही, उनकी विकलांगता को परखकर उन्हें अनुकूल सुविधाएं (जैसे लिफ्ट, रैम्प आदि) प्रदान किया जाना भी सभी अकादमियों को सुनिश्चित करना होगा।

टी.एन.ए. तथा मूल्यांकन : निदेशक, भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंध संस्थान ने अपने सेवाकालीन पाठ्यक्रमों के दौरान संस्थान द्वारा कराए गए प्रशिक्षण–आवश्यकता विश्लेषण और उसके मूल्यांकन पर प्रस्तुति दी। यह प्रशिक्षणार्थी के फीडबैक, 360 डिग्री रिव्यू द्वारा प्रशिक्षणार्थी के मूल्यांकन प्रभाव और अधिकारी के कार्य–स्थान पर आधारित होता है। यह अभ्यास आई.आई.एम. लखनऊ के सहयोग से कराया जाता है जो अनुसंधान में सहायता, आंकडों का संग्रहण तथा उनका विश्लेषण करता है। इसके परिणाम काफी उत्साहवर्धक रहे हैं और इस पर खर्च भी अपेक्षाकृत कम यानी कुल 11 लाख रुपए आया है। निदेशक, भारतीय रेलवे परिवहन प्रबंध संस्थान से अपने अनुभवों को साझा करने और प्रस्तुति को अन्य केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को भी अपने–अपने कार्यक्रमों के इसी तरह मूल्यांकन के लिए सौंपने का आग्रह किया गया।

एफ.ओ.टी.आई. की प्रगति : निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी ने सभी संस्थानों (जिन्होंने आरंभिक राशि का भुगतान नहीं किया है) से एफ.ओ.टी.आई. निधि में सक्रिय योगदान का अनुरोध किया। यह निर्णय लिया गया कि उपलब्ध धनराशि से एफ.ओ.टी.आई. की वेबसाइट तैयार की जाएगी जो ई.लर्निंग पोर्टल के तौर पर काम करेगी और इस पर विभिन्न केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों का विवरण अपलोड किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, टी.ओ.टी. का प्रशिक्षण कैलेंडर तथा विवरण आदि भी अपलोड किया जाएगा ताकि प्रत्येक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान के कार्यक्रमों

तथा गतिविधियों की जानकारी दूसरों को भी रहे। निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी ने एफ.ओ.टी.आई. के भावी पाठ्यक्रमों को भारत में तथा विदेश में भी ग्राहकों के लिए इलेक्ट्रॉनिक हब के तौर पर विकसित करने का भी सुझाव दिया ताकि विभिन्न विषयों पर उनके लिए कार्यक्रम/कार्यशालाएं आदि संचालित की जा सकें। यह निर्णय लिया गया कि अपर सचिव, डी.पी.ए., विदेश मंत्रालय से संपर्क किया जाए ताकि विभिन्न केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों में संभावित विदेशी प्रशिक्षणार्थियों की पहुंच को आसान बनाया जा सके।

सभी सेवाओं के लिए ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी में आधारिक पाठ्यक्रम आयोजित करना

विभिन्न केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों/प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थानों में आधारिक पाठ्यक्रम अंकों के संबंध में सेवा नियमों के मानकीकरण के साथ ही आधारिक पाठ्यक्रम की परीक्षा तथा मूल्यांकन के मानकीकरण की आवश्यकता जताई गई।

प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान को अपने यहां प्रस्तावित प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण दूसरे संस्थानों के साथ साझा करना चाहिए ताकि दूसरे संस्थानों के संकाय सदस्य भी उन कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकें और सहयोग प्रदान कर सकें।

संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग से प्राप्त निधि से संचालित आचार–नीति, कानून–व्यवस्था, आपदा प्रबंधन जैसे संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की कम भागीदारी और ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी के अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में शामिल विभिन्न अनिवार्य एवं नियमित कार्यक्रमों के कारण, इनके आयोजन में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए निम्न. लिखित प्रस्तावों से संयुक्त सचिव (प्रशिक्षण), कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग को अवगत कराया जाए–

(क) इन कार्यक्रमों में भागीदारी को बढ़ाया जाए और इनमें केंद्रीय सेवाओं, अर्ध–सैन्य बलों तथा रक्षा सेवाओं को आमंत्रित किया जाए।

(ख) ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी के अलावे दूसरे केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को इन संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के तत्वावधान में आयोजन करने को कहा जाए।

1962 बैच के अधिकारियों का स्वर्णजयंती पुनर्मिलन

(10–11 सितंबर, 2012)

समन्वयक	निधि शर्मा
सह समन्वयक	जसप्रीत तलवार अभिषेक स्वामी
समूह गठन	29 (पुरुष 28, महिलाएं 01)

इस अकादमी में 1962 के स्वर्णजंयती बैच के अधिकारियों का वार्षिक पुनर्मिलन 10 जून, 2012 को आयोजित किया गया। 1962 बैच के उनतीस अधिकारी जिनमें से अधिकांश पति/पत्नी के साथ आए, 12 तथा 11 सितम्बर 2012 को दो दिवसीय कार्यक्रम में एकत्रित हुए। शासन संचालन, भा.प्र.सेवा तथा सिविल सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चिंतन के औपचारिक सत्रों और 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ विचार–विनिमय के बीच इन सदस्यों के अनौपचारिक बातचीत, पुरानी यादों तथा अकादमी परिसर के भ्रमण के लिए भी समय निकाला। रात्रि को खुले आसमान के नीचे संगीत लहरियों, रात्रि भोज और प्रतिभागियों में विचार–विनिमय का दौर भी चला। निदेशक श्री पदमवीर सिंह ने इस बैच द्वारा संकलित, *मैमॅरीज ऑफ दॅ बैच ऑफ 1962* का लोकार्पण 11 सितंबर के समापन सत्र के दौरान किया।

भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए यह स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन अकादमी द्वारा आयोजित 16वां पुनर्मिलन था। पहला पुनर्मिलन, स्वतंत्र भारत के स्वर्णजंयती वर्ष अर्थात्, 1997 में आयोजित किया गया जिसमें स्वतंत्रता के समय सेवारत भारतीय सिविल सेवा तथा भा.प्र. सेवा के अधिकारियों को आमंत्रित किया गया था।

अध्याय 4

gekjh lg;kxh laLFkk,a

एन.आइ.सी. प्रशिक्षण यूनिट

अकादमी में एन.आइ.सी. की यह यूनिट अखिल भारतीय सेवाओं के आधिकारियों को अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान, उन्हें सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करती है। प्रशिक्षण कैलेण्डर 2012 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित किए गए थे।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम/अवधि	सत्र	प्रतिभागी	विषय
1.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I (2011–13 बैच) (26 सप्ताह)	30 x 2 = 60	158	What–if Analysis using Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Survey Analysis, Pivot Table and Pivot Chart, Introduction to MS Access, Dynamic Key Retrieval, Multiple Table with Single Primary Key and Combined Primary Keys, Tenancy database, Introduction to MS Project and Election monitoring using MS Project, Financial Management (PV,FV,PMT,IRR, NPV) using MS Excel. Project Appraisal (Financial and investment criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel, GIS in collaboration with ISRO Bangalore and IIRS Dehradun.
2.	भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–II (2010–12 बैच) (08 सप्ताह)	12 x 2 = 24	134	Population Pyramid Analysis with Excel, Descriptive Statistics and Graphical Analysis, Financial Analysis, Analysis on District Health Data (Rashtriya Swasthya Bima Yojna) (RSBY), Analysis on Education Data (Sarva Shiksha Abhiyan) (SSA), Using Excel, Inventory Management using MS Access, Public Grievance Monitoring System using MS Access, Multiple Tables with Primary Key using MS Access, Application Introduction using MS-Access, Introduction to GIS Technology, Communication Technology and MS Project.
3.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए छठा मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण– III)	20	90	Absolute and Relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-Built Function, What-if Analysis using MS Excel, Financial Management (Time Value of Money, PV,FV,PMT,IRR, NPV) using MS Excel. Project Appraisal (Financial and investment criteria, Constructing Project Cash Flows, Case Studies – Small and Large) using MS Excel.
4.	भा.प्र. सेवा के अधिकारियों के लिए 7वां मिड कैरिअर प्रशिक्षण कार्यक्रम (चरण–IV)	06	116	Absolute and relative Cell Addressing, User Defined Formula and In-Built Function, What-if Analysis using MS Excel, Descriptive Statistics, Graphical Analysis. Survey Analysis and Statistical Analysis, Financial statement and Accounting concepts using Excel. Presentation Skills, Features of Power Point with Touch Screen devices, Enhanced Documentation like Columns, Smart Art, Mail Merge, etc.
5	87वां आधारिक पाठ्यक्रम (15 सप्ताह)	22 x 4 = 88	263	MS Word (Effective Document Management, Special Publication Features, Boiler Plate Feature, From Control and Basic Formula Editing), MS Power Point (Visual Tools of enhancement of presentation Customization of Presentation, Object Animation) MS Excel, Income Tax Calculation using Excel, Data Analysis using MS Excel, Statistical Analysis using MS Excel, Regression Analysis using MS Excel.
6.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 110वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	27	Introduction to Computer Software and Hardware, Internet & E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Windows (XP), MS Word, MS PowerPoint, MS Excel.

7.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 111वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	33	Introduction to Computer Software and Hardware, Internet & E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Windows (XP), MS Word, MS PowerPoint, MS Excel.
8.	भा.प्र.सेवा के अधिकारियों के लिए 112वां प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (8 सप्ताह)	20	36	Introduction to Computer Software and Hardware, Internet & E-mail, Typing Tutor, Work Flow Automation, Windows (XP), MS Word, MS PowerPoint, MS Excel.
9.	भा.ति.सी. पुलिस अधिकारियों के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण (01 सप्ताह)	08	20	Introduction to Computers, Windows (XP) O.S, MS Word, MS Excel, MS PowerPoint.

- भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2011 बैच) के दौरान, इस अकादमी के श्री संजीव चोपड़ा, प्रोफे. ज्ञानेंद्र बडगैयां, डॉ. प्रेम सिंह तंथा श्रीमती निधि शर्मा के साथ, एम.एस. एक्सेल का प्रयोग करते हुए वित्त प्रबंधन तथा परियोजना मूल्यांकन पर मॉड्यूल संचालित किया गया।
- भा.प्र. सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण– I (2011 बैच) के दौरान, आई.एस.आर.ओ. बंगलौर तथा आई.आई.आर. एस. देहरादून के साथ, जी.आई.एस. तकनीक का प्रयोग करते हुए सुशासन हेतु जी.आई.एस. टैक्नोलोजी पर मॉड्यूल संचालित किया गया।
- अकादमी प्रशिक्षकों के लिए प्रोफेसर डी.एन.एस. ढकल, ड्यूक यूनिवर्सिटी के सहयोग से परियोजना मूल्यांकन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम
- अकादमी प्रशिक्षकों के लिए श्रीमती सीमा जोशी, ई.एस.आर.आई. नई दिल्ली के सहयोग से जी.आई.एस. पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम
- श्री मंतोश चक्रवर्ती, प्रमुख, निक्टू ने 111वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन मॉड्यूल के एक सप्ताह के लिए बांग्लादेश का भ्रमण किया।

प्रशिक्षण–विधि

- व्याख्यान–सह–निर्देशन
- हैन्ड्स–ऑन
- कक्षा तथा गृह कार्य
- प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुतिकरण
- प्रकरण अध्ययन

अतिथि वक्ता

निम्नलिखित अतिथि वक्ताओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में व्याख्यान दिया –

- डॉ. वंदना शर्मा, उप महानिदेशक, एन.आइ.सी. मुख्यालय, दिल्ली
- श्री साई नाथ, तकनीकी निदेशक, एन.आइ.सी. मुख्यालय, दिल्ली

पाठ्यसामग्री तैयार की

एन.आइ.सी. संकाय द्वारा निम्नलिखित विषयों पर संदर्भ सामग्री तैयार की गई –

MS- Word 2007, MS-Power Point-2007, MS-Excel 2007

सॉफ्टवेयर का विकास

- अकादमी की आवश्यकता के अनुसार निम्नलिखित सॉफ्टवेयर विकसित किए गए –
- चरण–III, चरण–IV तथा चरण–V के लिए Mid Career Training Program (MCTP) Online Feedback System
- ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी के संपदा अनुभाग के लिए Online Application on Contractual Employees Deployment System
- Integration of Inventory Management System with e-Office
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए Online Peer Evaluatin System,
- अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के लिए Online Feedback Application,

अन्य गतिविधियां

- ला.ब.शा.रा.प्र, अकादमी, मसूरी के ग्रामीण अध्ययन केंद्र को आंकड़ा विश्लेषण हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान किया।
- इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय से एम.पी.पी. के लिए ई–गवर्नेन्श तथा कंप्यूटर साक्षरता के प्रश्नपत्र तैयार किए और उनका मूल्यांकन किया।
- अकादमी संकाय के लिए एमएस–एक्सेल का उपयोग करते हुए वित्त प्रबंध पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ

अकादमी में प्रतिवर्ष कई गणमान्य व्यक्तियों एवं प्रतिनिधि–मण्डलों का आगमन होता है। इस दौरान आपसी अनुभव आदान–प्रदान द्वारा ज्ञानार्जन किया जाता है जिससे अतिथि तथा अकादमी, दोनों ही लाभान्वित होते हैं। प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा विकास प्रकोष्ठ द्वारा समन्वय किए गए कुछ भ्रमण कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है–

गण्यमान्य व्यक्ति / प्रतिनिधि मंडल	भ्रमण की तिथि
फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के 3 सदस्य	28.02. 2012
इथियोपियाई प्रतिनिधिमंडल के 6 सदस्य	01.03. 2012
सिंगापुर प्रतिनिधिमंडल के 3 सदस्य	21.03. 2012
नामीबिया प्रतिनिधिमंडल के 5सदस्य	28.05. 2012
अफगान प्रतिनिधिमंडल के 2 सदस्य	06.06. 2012
जम्मू–कश्मीर के सद्भावना समूह के 45 विद्यार्थी	25.01. 2012
सेंट जोसेफ स्कूल, देहरादून से 90 विद्यार्थी एवं अध्यापक	04.02. 2012
केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधाान एवं प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून के प्रतिभागियों का भ्रमण	28.02. 2012
एम.जी.आई.पी.ए. पंजाब से 38 प्रतिभागी	01.03.2012
एम.टेक. इंजीनियरिंग, सूरत (गुजरात) से 17 विद्यार्थी	30.03.2012
एस.एस.बी. प्रशिक्षण अकादमी, श्रीनगर (गढ़वाल) के 13 अधिकारी	17.04.2012
आर.बी.आई, चेन्नै से 2 अधिकारी	01.05.2012
आर.बी.आई. गवर्नर तथा प्रतिनिधि मंडल का भ्रमण	23.05.2012
बांग्लादेश के केबिनेट सचिव का भ्रमण	27.09.2.12

नेपाली प्रतिनिधि मंडल के 30 प्रतिभागी	15.01.2013
आस्ट्रेलिया हाई कमीशन के 3 सदस्य	16.01.2013
आई.एम.ए. देहरादून के अधिकारियों के साथ सिंगापुर के 5 अधिकारी	07.02.2013
सिंगापुर के 5 अधिकारी	07.02.2013
राजभाषा समिति का भ्रमण	11.06.2012
श्री पी.के.मिश्र, सचिव, का.प्र.विभाग, नई दिल्ली का भ्रमण	11.08.2012
एस.आर.वी.स्कूल, त्रिचुरापल्ली से 37 विद्यार्थी तथा संकाय सदस्य	29.08.2012
गृह मंत्रालय, नई दिल्ली का प्रशिक्षण कार्यक्रम	24.08.2012
ज्यूडिशियल अकादमी, दिल्ली के 2 सदस्य	14.09.2012
जम्मू–कश्मीर के सद्भावना समूह के 23 विद्यार्थी	19.09.2012
एस.एस.बी. प्रशिक्षण अकादमी, श्रीनगर (गढ़वाल) के 19 अधिकारियों का समूह	25.09.2012
पूर्णिमा ग्रुप, जयपुर, राजस्थान से 48 विद्यार्थी	12.10.2012
कें.रि.पु.बल अकादमी, गुड़गांव से 48 अधिकारी	19.10.2012
सेंट जॉर्ज स्कूल मसूरी से 15 सदस्य	26.10.2012
जम्मू–कश्मीर के सद्भावना समूह के 33 विद्यार्थी	05.12.2012
स्कूल ऑफ बायो–साइंस, तिरुवल्ला, केरल से 10 विद्यार्थी तथा संकाय सदस्य	05.12.2012
आई.टी.एम., मसूरी से 28 अधिकारी	13.12.2012
स.व.प. पुलिस अकादमी, हैदराबाद से एक अधिकारी	09.01.2013

संकाय विकास

इस अकादमी में संकाय सदस्यों की दक्षता, ज्ञान तथा प्रशिक्षण तकनीकों को उन्नत तथा अद्यतन करने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति, परिसर में आयोजित कार्यक्रमों की मदद से, तथा संकाय सदस्यों को देश और विदेश के ख्याति प्राप्त संस्थानों में भेजकर की जाती है। संकाय विकास योजना के तहत संकाय सदस्यों को प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में भाग लेने के लिए देश–विदेश भेजा गया।

समूह गठन तथा महिला एवं पुरुष अधिकारी	कुल – 32; पुरुष – 31, महिला– 01
कार्यक्रम उद्घाटन	श्री अजीत लाल, अध्यक्ष, संयुक्त आसूचना समिति, एन.एस.सी.एस. भारत सरकार, नई दिल्ली
समापन भाषण	श्री पदमवीर सिंह, निदेशक, ला.ब.शा.रा.प्र.अकादमी

अध्याय 5

Dyc vkj lklkbfV;k

अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अकादमी परिसर के अंदर सृजनात्मक तथा वैविध्यपूर्ण परिसर जीवन का आनंद उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसकी प्राप्ति के लिए, वे स्वयं को विभिन्न क्लबों तथा सोसाइटियों से जोड़ते हैं। इस वर्ष के दौरान इन क्लबों तथा सोसाटियों के क्रियाकलाप निम्नवत् रहे–

साहसिक खेलकूद क्लब

साहसिक खेलकूद क्लब ने सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इसमें बंगी जंपिंग, राफ्टिंग और भट्टा फॉल्स, जॉर्ज एवरेस्ट, भद्राज मंदिर एवं क्लाउड एंड ट्रैक शामिल हैं।

अलम्नाई एसोशिएसन

अलम्नाई एसोशिएसन ने अकादमी वेबसाइट पर अलम्नाई कॉर्नर www.lbsalumni.gov.in आरंभ किया है। वेबसाइट डिजाइन करने का कार्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने कंप्यूटर अनुभाग की सहायता से स्वयं किया।

कंप्यूटर सोसाइटी

इस वर्ष के दौरान, कंप्यूटर सोसाइटी ने कंप्यूटर से संबंधित प्रश्नोत्तरी, व्याख्यान, कक्षाएं तथा ट्यूटोरियल का आयोजन किया। इसके अलावा, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को सूचना प्रौद्योगिकी तथा ई–गवर्नेन्श में नई प्रौद्योगिकियों तथा संकल्पनाओं से अवगत कराया।

फिल्म सोसाइटी

वर्ष 2012–13 के दौरान फिल्म सोसाइटी ने सामाजिक सहित विभिन्न विषयों पर आधारिक पाठ्यक्रम, भा.प्र.सेवा चरण–I, चरण–II एवं प्रवेशकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को लगभग एक सौ फिल्में दिखाई। इसमें सभी अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की भिन्न–भिन्न रुचियों को ध्यान में रखकर फिल्मों का चयन किया गया। फिल्म सोसाइटी द्वारा ''फाउन्डेशन्स फॉर लाइफ'' नामक एक फिल्म का निर्माण भी किया गया। फिल्म सोसाइटी ने अंग्रेजी एवं हिंदी की लगभग 50 वी.सी.डी./डी.वी.डी. भी खरीदी।

अभिरुचि क्लब

अभिरुचि क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों की अभिरुचि को बढ़ाने के लिए वर्ष 2012 में विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए। इनमें सामान्य प्रश्नोत्तरी, अंत्याक्षरी, चित्रकारी, रेखाचित्र, फेस पेंटिग, टी–शर्ट पेटिंग एवं रचनात्मक लेखन शामिल हैं। इस क्लब ने अकादमी के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अन्य प्रतिभागियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई। वर्ष 2012 के दौरान इस क्लब की निदेशक नामिती श्रीमती निधि शर्मा, उपनिदेशक तथा वैकल्पिक निदेशक नामिती, श्रीमती रोली सिंह, उपनिदेशक (व.) थीं।

ललित कला एसोशिएसन

ललित कला एसोसिएशन ने तरह–तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जिसमें सामूहिक भागीदारी को प्राथामिकता दी गई। एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में संघ भावना को बढ़ावा मिला

है और उनमें क्षेत्रीयता या भाषागत आधार पर विषमताओं को दूर करने में मदद मिली है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से कई अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को अपनी सृजनशीलता उजागर करने का अवसर मिला है। इसके अतिरिक्त, ललित कला एसोसिएशन ने विभिन्न कलाकारों तथा कला समूहों को भी आमंत्रित किया है। गायन संगीत, स्पेनिश गिटार तथा ड्रम के लिए पाठ्येतर मॉड्यूल आयोजित किए गए।

आधारिक पाठ्यक्रमों के दौरान, स्व. श्री ए.के.सिन्हा स्मृति एकांकी प्रतियोगिता का भी सफलतापूर्वक मंचन किया गया।

गृह पत्रिका सोसाइटी

इस सोसाइटी के संचालन के लिए इसका एक सचिव तथा तीन सदस्य होते है। इसका सचिव ही इस सोसाइटी के समस्त कार्यकलापों का समन्वयक होता है।

उद्देश्य

- सृजनात्मक लेखन द्वारा शैक्षिक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन देना
- स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा एक–दूसरे से वार्ता हेतु मंच प्रदान करना
- पत्रकारिता की संपादकीय तथा अन्य संबंधित दक्षताओं का विकास करना।
- छिपी प्रतिभाओं और कार्टून कला का विकास करना।

गतिविधियां

बैच की यादें संजोकर रखने की दृष्टि से इस सोसाइटी ने 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के लिए "SOJOURN" नाम से डाइरेक्टरी प्रकाषित की है।

प्रबंध मंडल

प्रबंधन मंडल ने 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के लिए क्लब के कार्यक्रमों का आरंभ सामान्य प्रश्नोत्तरी से किया जिसमे 100 से अधिक अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। तदुपरांत टीम ने होमी जे. भाभा स्मृति वाद–विवाद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक संचालन किया। इंडियन थीम क्विज में बैच से उत्साहवर्धक प्रतिभागिता रही। आधारिक पाठ्यक्रम के समापन के अवसर पर प्रबंध मंडल ने अन्य दो सोसाइटियों के सहयोग से 'Zephyr' नाम से स्मारिका प्रकाशित की।
चरण–। में प्रबंध मंडल का आरंभ 'Clockwork Lemon Quiz" से हुआ। इसके पश्चात्, जानी–मानी हस्तियों द्वारा विभिन्न विषयों पर 'Conversations" नाम से वार्ताओं का दौर आरंभ हुआ। इस कड़ी में पहली वार्ता सिंगापुर के निवेश बैंकर श्री डी. रामाराव की रही। उनकी वार्ता "How outside investors look at India' पर केंद्रित थी। दूसरी वार्ता 'higher education opportunities while in the service' पर केंद्रित थी। इस वार्ता में सेवा के ऐसे तीन जाने–माने लोगों ने भाग लिया जिनका शैक्षिक ट्रेक स्वयं भी शानदार रहा है। अंतिम वार्ता भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रोफेसर टी.टी. राम मोहन की रही। उनकी वार्ता का विषय था 'Indian Economy : The Big Picture'. प्रबंध मंडल ने एक अद्भुत प्रतियोगिता 'Management Movie Quiz' का भी आयोजन किया जो लोकप्रिय बॉलीवुड फिल्म 'लगे रहो मुन्नाभाई' पर आधारित थी। सरकारी संगठनों की पुनर्संरचना पर 'Case Study Competition' का भी आयोजन किया। संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित ' Fast & Furious Quiz' प्रबंध मंडल का अंतिम कार्यक्रम था।

प्रकृति प्रेमी क्लब

प्रकृति प्रेमी क्लब अकादमी के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का बहुत लोकप्रिय क्लब है। इस वर्ष के दौरान इस क्लब ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा एम.सी.टी.पी. के प्रतिभागियों के सक्रिय सहयोग से, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने और संवेदनशील बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। विभिन्न पाठ्यक्रमों में इस क्लब ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया –

चरण–I (2011 बैच) – 'White –An ode to Bharat.....' नाम से पुस्तिका प्रकाशित की जिसमें शीतकालीन अध्ययन भ्रमण के फोटोग्राफ्स संकलित है। 'Birds of Mussoorie' नाम से एक और पुस्तक भी प्रकाशित की गई।

चरण–II (2010 बैच) तथा चरण–III – प्रकृति के प्रति समर्पित दो–दिवसीय समारोह 'The Green Bonanza' आयोजित किया गया। फोटो प्रदर्शनी तथा मूवी देखना इसके मुख्य आकर्षण थे जिनका आयोजन चरण– II तथा चरण– III के प्रतिभागियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

87वां आधारिक पाठ्यक्रम – फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई।

चरण–II (2012 बैच) में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए–

भारत दर्शन फोटोग्राफी प्रतियोगिता

अकादमी की पहली 'ग्रीन होली' अधिकारी क्लब के सहयोग से मनाई गई

- वर्ल्ड स्पेरो डे', 'वर्ल्ड फॉरेस्टरी डे' तथा 'वर्ल्ड वाटर डे' जैसे कुछ महत्वपूर्ण दिवस मनाए गए।
- डॉ. एन.सी. सक्सेना ने 'Tree Census of the Academy' का उद्घाटन किया। इसमें अकादमी में पेड़–पौधों की सभी प्रजातियों का सूचीयन, पौधारोपण की योजना, पेड़ों का स्वास्थ्य मूल्यांकन, आदि को शामिल किया गया।
- 'Earth Hour Celebration' – इसके अंतर्गत समस्त अकादमी परिवार ने एक घंटे के लिए अपनी लाइटें बंद रखीं और इसके बाद अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रतीकात्मक केंडल लाइट डिनर आयोजित किया गया।
- 'World Water Day' – प्रकृति प्रेमी क्लब ने कई सप्ताहांतों पर जल के महत्व पर छोटे–छोटे चलचित्र दिखाए।

अधिकारी क्लब

अधिकारी क्लब अपने सदस्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, सेवाकालीन पाठ्यक्रमों, चरण–IV, चरण– III पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों, संकाय तथा स्टाफ सदस्यों को बाह्य और आंतरिक खेलकूद की सुविधाएं प्रदान करता है। बाह्य खेलकूद में टेनिस, बास्केट बाल, वॉली बाल, क्रिकेट, फुटबाल, इत्यादि की सुविधाएं प्रदान की जाती है और आंतरिक खेलकूद में बिलियर्ड्स, कैरम, शतरंज, ब्रिज, स्नूकर, टेबल टेनिस, स्क्वैश तथा बैडमिंटन शामिल हैं। क्लब में सुसज्जित जिम्नाजियम भी मौजूद है। इस वर्ष के दौरान क्लब ने कई क्रियाकलाप आयोजित किए, जिनका पाठ्यक्रमवार विवरण निम्नवत् हैः

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण – I (2012 बैच)

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण–I, 2012 बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए निम्नलिखित खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई–

बैडमिंटन	–	पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
टेबल टेनिस	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल, महिला एकल
कैरम	–	पुरुष एकल, पुरुष युगल, मिश्रित युगल
शतरंज	–	पुरुष एकल
स्क्वैश	–	पुरुष एकल
बिलियर्ड्स	–	पुरुष एकल
स्नूकर	–	पुरुष एकल

2. उपर्युक्त प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित टीम स्पर्धाएं भी आयोजित की– फुटबाल, वालीबाल, क्रिकेट
3. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रषिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन की

प्रतियोगिता आयोजित की।

4. अधिकारी क्लब ने चरण–I अधिकारी प्रषिक्षणार्थियों तथा चरण– IV पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच एलपीएल क्रिकेट लीग प्रतियोगिता आयोजित की।
5. भा.प्र. सेवा बनाम भा.रा. सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थी – बास्केट बॉल 10.03.2012
6. चरण–I बनाम चरण–IV – स्क्वैश, टेनिस, बैडमिंटन – 16.03.2012

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण –II, (2010–2012 बैच)

1. चरण– II के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस इत्यादि की खेलकूद स्पर्धाएं आयोजित की गई।
2. अधिकारी क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा अकादमी संकाय सदस्यों की टीमों के बीच बैडमिन्टन की प्रतियोगिताएं आयोजित की, तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों और चरण– II 2010 बैच तथा चरण– IV पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के बीच जुलाई 2012 में आई.पी.एल. क्रिकेट प्रतियोगिता भी आयोजित की। फाइनल मैच 15.06.2012 को आयोजित किया गया।
3. चरण –III के प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों तथा स्टाफ का बैडमिंटन मैच।

87वां आधारिक पाठ्यक्रम

- पाठ्यक्रम के दौरान बैडमिंटन, टेनिस, टेबल टेनिस, षतरंज, स्क्वैश, स्नूकर, कैरम इत्याादि की खुली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।
- पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यान समूहवार वालीबाल, फुटबाल, बास्केट बाल तथा क्रिकेट के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया गया।
- 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए 17–18 नवंबर, 2012 को पोलो ग्राउंड में एथलीटिक मीट आयोजित की गई।
- 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए 3 दिसंबर, 2012को क्रॉस कंट्री दौड़ भी आयोजित की गई।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–I, चरण–II तथा 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के दौरान, क्लब ने टेनिस, बैडमिन्टन, बास्केट बाल, फुटबाल, स्क्वैश, टेबल टेनिस तथा बिलियर्ड्स के लिए कोचिंग का भी आयोजन किया।

भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण – II (2010 बैच)

चरण– II तथा चरण– IV पाठ्यक्रमों के दौरान, क्लब ने टेनिस, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, फुटबॉल, स्क्वैश, टेबल टेनिस तथा बिलियर्ड्स की कोचिंग तथा इनमें प्रतियोगिताएं भी आयोजित कीं।

1. संकाय बनाम एमसीटीपी चरण–IV बनाम हैपी वैली क्लब बैडमिन्टन मैच 30 नवंबर, 2012 को
2. एमसीटीपी चरण– IV प्रतिभागी बनाम भा.प्र.सेवा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, चरण – II 2010 बैच का बैडमिन्टन एवं टेनिस मैच
3. भा.प्र. सेवा बनाम भा.वन सेवा, 2011 बैच फुटबाल, क्रिकेट, वॉली बाल, बास्केट बाल, बैडमिन्टन एवं टेनिस मैच
4. मार्च, 2012 में भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा, 2011 बैच वॉली बाल मैच
5. 10.03.2012 – भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा– बास्केट बॉल मैच
6. 10.03.2012 – भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा– फुटबॉल मैच
7. 10.03.2012 – भा.प्र. सेवा महिला प्रशिक्षणार्थी बनाम भा.राजस्व सेवा महिला प्रशिक्षणार्थी 2011 बैच – सॉफ्ट बॉल मैच
8. भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा, क्रिकेट मैच
9. 10.03.2012 – भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा, 2011 बैच, बैडमिन्टन मैच

10. 11.03. 2012 – को भा.प्र. सेवा बनाम भा.राजस्व सेवा के बीच रस्साकसी
11. चरण– III प्रतिभागी, संकाय सदस्य, स्टाफ बनाम दून क्लब – बैडमिंटन मैच
12. भा.प्र.सेवा, 2012 बैच बनाम हैप्पी वैली क्लब, मसूरी,– बैडमिन्टन मैच
13. 26 मार्च से 4 अप्रैल, 2012 तक 8 टीमों के बीच एलपीएल क्रिकेट लीग
14. 08.5.2012 से – भा.प्र. सेवा, चरण– I 2012 बैच बनाम चरण– IV प्रतिभागियों की एलपीएल क्रिकेट लीग मैच
15. 07 से 17 मई, 2013 : ओ.सी.आई. : चरण– I, चरण–II, चरण–III बनाम हैप्पी वैली क्लब
16. चरण– I, चरण–II एवं चरण–III बनाम हैप्पी वैली क्लब – वॉलीबाल मैच
17. चरण– I 2012 बैच एवं चरण–III बनाम हैप्पी वैली क्लब – बास्केट बॉल एवं फुटबॉल मैच।

अधिकारी मेस

अधिकारी मेस में नए अकादमिक ब्लॉक को जोड़ते हुए विस्तार किया गया है तथा फर्श बदलकर, नए उपकरण खरीदकर तथा रसोई के नए उपकरण लगाकर नया कलेवर प्रदान किया गया है। नए उन्नत साधनों की उपलब्धता से भोजन की उच्च गुणवत्ता और साफ–सफाई सुनिश्चित होती है। वेटरों और बैरों को प्रतिव्यक्ति दो यूनिफार्म उपलब्ध कराए गए है। मेस में लगाए गए जल शोधक यंत्रों की मासिक जांच के अतिरिक्त सभी मेस कर्मियों का नियमित चिकित्सा परीक्षण कराया जाता है। डाइनिंग हॉल में चाय/कॉफी की वेन्डिन्ग मशीनें लगाई गई हैं जो अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के बीच काफी लोकप्रिय हैं, और उनका प्रभावी संचालन एवं रख–रखाव किया जाता है। मेस सर्विस के अतिरिक्त अधिकारी मेस, अधिकारी क्लब बार का भी संचालन कर रहा है, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को कपड़े धुलाइ के लिए लॉन्ड्रोमेट सुविधा भी अधिकारी मेस को प्रदान की गई है जिसे अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने बहुत पसंद किया है। जहां डाइनिंग हॉल में पहले 300 व्यक्ति एक साथ भोजन करते थे, उसकी क्षमता बढ़ाकर अब वहां 400 व्यक्ति एक साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं।

राइफल तथा धनुर्विद्या क्लब

अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाला प्रत्येक अधिकारी इस क्लब का सदस्य होता है। क्लब की कार्यकारिणी समिति में निर्वाचित/नामित एक सचिव और तीन सदस्य होते हैं। कार्यकारिणी समिति, श्री हरि सिंह रावत, व्यायाम प्रशिक्षक तथा श्री एस. अन्नादुरै, सहायक व्यायाम प्रशिक्षक की सहायता से क्लब की गतिविधियों का संचालन करती है। क्लब का निदेशक नामिती, क्लब की प्रशासनिक व्यवस्था की देखरेख करता है।

राइफल तथा धनुर्विद्या क्लब के पास बीस 0.22 स्पोर्टिंग गन, तीन .38 रिवॉल्वर, पांच एअर गन तथा एक .12 बोर एस.बी .एल. गन है। इस क्लब के पास ले. जनरल जे.एस. अरोड़ा द्वारा 1972 में भेंट की गई एक स्वचालित राइफल तथा लाइट मशीन गन भी है। इस क्लब ने अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा संकाय सदस्यों के लिए इन शस्त्रों को चलाने के लिए अभ्यास सत्र आयोजित किए। भा.प्र.सेवा व्यावसायिक पाठ्यक्रम चरण–। (2011 बैच) एवं 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के अधिकारी प्रषिक्षणार्थियों के लिए 0.22 राइफल, 0.38 रिवाल्वर एवं 5.56 इन्सास राइफल संचालन के सत्र निम्नवत् आयोजित किए गए।

समाज सेवा सोसाइटी

समाज सेवा सोसाइटी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की अपनी आंतरिक सोसाइटी है जिसके संचालन के लिए प्रत्येक वर्ष अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को चुना जाता है। यह सोसाइटी निदेषक, ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी तथा निदेषक नामिती के निर्देशन में न केवल अकादमी कर्मचारियों बल्कि आस–पास के स्थानीय लोगों के लिए भी अनेकों कल्याणकारी कार्यक्रमों में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस वर्ष समाज सेवा सोसाइटी के लिए 2012 बैच (सितंबर 2012 से मई 2013) के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया :

- साप्ताहिक स्वास्थ्य जांच–उपचार
- ललिता शास्त्री बालवाड़ी की सहायता
- निषक्ता–जांच, रक्तदान, हैपेटाइटिस 'बी' टीकाकरण तथा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

- अकादमी के दैनिक कर्मचारियों के लिए ई.एस.आई.सी. सहायता
- स्थानीय स्कूलों तथा कॉलेजों में साप्ताहिक भ्रमण तथा परामर्श/विषय शिक्षण
- अकादमी कर्मचारियों को प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन।

1. इस वर्ष, सोसाइटी ने साप्ताहिक स्वास्थ्य क्लीनिक में पूर्ण सुधार करते हुए इसे नए परिसर में स्थापित किया जहां स्थानीय लोग आसानी से पहुंच सकते हैं। इसके लिए आवश्यक सामग्री यथा – कंप्यूटर, फर्नीचर, इत्यादि भी उपलब्ध कराया गया है। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए आषा की भांति एक समर्पित कर्मचारी नियुक्त किया गया है और उसको अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने स्वयं प्रषिक्षित भी किया है। चूंकि इस बैच में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर थे, अतः स्वास्थ क्लीनिक (प्रत्येक गुरुवार को) काा संचालन अधिकांशतः अधिकारी प्रषिक्षणार्थियों द्वारा किया गया। दवाओं की मांगी गई मात्रा के अतिरिक्त, सोसाइटी ने पी.एम.ओ. तथा जिला प्रशासन के जरिए पर्याप्त मात्रा में दवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2. यह अकादमी अपने कर्मचारियों तथा आस–पड़ोस के लोगों के बच्चों के लिए भी अपनी बालवाड़ी चलाती है। विगत वर्षों की भांति, इस वर्ष भी, सोसाइटी ने बालवाड़ी के बच्चों को पोषक की व्यवस्था करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। इसके लिए आधारिक पाठ्यक्रम में आयोजित वार्षिक मेले के जरिए धनराषि जुटाई गई। यह कार्यक्रम पूरे पाठ्यक्रम के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यकलापों में से सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसके अतिरिक्त, बालवाड़ी के बच्चों को मध्याह्न भोजन तथा बालवाड़ी के शिक्षकों के वेतन के भुगतान के लिए भी सोसाइटी ने अपना योगदान किया। आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का विवरण तैयार किया जा रहा है ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा सके।

3. सोसाइटी ने विभिन्न शिविरों यथा निशक्ता–जांच शिविर (मसूरी नगर स्तर पर), हेपेटाइटिस 'बी' टीकाकरण (बूस्टर डोज सहित) शिविर (अकादमी के आस–पास के स्कूलों के लिए), अकादमी में रक्तदान शिविर तथा आस–पास के समुदायों के लिए स्वास्थ शिविर का आयोजन किया। ऐसे शिविरों की योजना तैयार करने तथा उनका आयोजन करने में जिला प्रशासन, रैफेल, प्राइवेट तथा सरकारी अस्पतालों का सक्रिय योगदान रहा और इन शिविरों में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

4. इस वर्ष, सोसाइटी ने दैनिक कर्मचारियों के ई.एस.आई. कार्डों के नवीकरण और किसी तरह की चिकित्सा आवश्यकता की स्थिति में वित्तीय मदद की व्यवस्था में आसानी के लिए बकाया ई.एस.आई. देय की वसूली में भी मदद की है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को अकादमी में बुलाया गया और यहीं परामर्श एवं प्रमाण–पत्र नवीकरण के लिए व्यवस्था की गई। इसकी अनुवर्ती कार्रवाई के लिए भी भावी योजना तैयार की गई है। इसके अलावा, अकादमी में दैनिक कर्मचारियों की जरूरतों का पता लगाने के लिए कर्मचारी प्रोफाइल तथा अनुभवजनित अध्ययन भी कराया गया।

5. ला.ब.शा.रा.प्र.अ. के आस–पास तरह–तरह की शिक्षण संस्थाएं हैं। सोसायटी ने स्कूल प्राधिकारियों तथा विद्यार्थियों के साथ बात की और उन्हें आवश्यक परामर्श तथा विषयों के शिक्षण की भी व्यवस्था की ताकि विद्यार्थियों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस संबंध में अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के उत्साहवर्धक रुख के चलते ही विभिन्न स्कूलों में परामर्श तथा विषय–शिक्षण कार्य संचालित किया गया। सोसाइटी ने नजदीकी दो स्कूलों में प्रत्येक के लिए एक–एक शिक्षकों की भी व्यवस्था कराई।

6. इस बैच के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने अकादमी के कर्मचारियों के लिए अंग्रेजी, हिंदी तथा कंप्यूटर–विज्ञान जैसे विषयों के शिक्षण में उत्साहपूर्वक भूमिका निभाई। इसमें, कर्मचारियों के बच्चों को साप्ताहिक आधार पर विषय–विशेष की ट्यूशन भी दी गई।

अन्य विविध कार्य

उपर्युक्त के अतिरिक्त, दैनिक कर्मचारियों को कंबल वितरण, मसूरी में शिक्षा के अधिकार को समझने तथा उसके क्रियान्वयन को जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना, रहन–सहन की स्थितियों को समझने के लिए संविदा मजदूरों का प्रोफाइल तैयार करना और भावी रणनीति बनाना, वर्तमान रिक्षों के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल रिक्शों को लाने की संभावना तलाशना तथा उसके लिए समुचित कार्य–योजना बनाना, आदि जैसे विभिन्न कार्यकलाप भी आयोजित किए गए।

संपर्क बनाए रखने तथा जानकारी का आदान–प्रदान करने की दिशा में, सोसाइटी ने एक सोशल नेटवर्किंग प्रोफाइल भी तैयार किया जिसमें वर्तमान कार्यक्रमों के साथ ही भावी योजनाओं को भी शामिल किया गया। इसके पीछे विचार यह भी है कि अकादमी अलम्नाई बेहतरीन कार्य–संस्कृतियों का आदान–प्रदान करे और दूसरों के बहुमूल्य अनुभवों से सीखे।

सार रूप में, अगर हम सही दिशा में एक कदम आगे बढ़ाएंगे तो हमारा साथ असंख्य कदम देंगे। अतः समाज सेवा समिति द्वारा की गई पहलें तथा भा.प्र. सेवा प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उनका क्रियान्वयन और कुछ नहीं बल्कि भा.प्र. सेवा के अधिकारी द्वारा अपने निकट भविष्य में किए जाने वाले कार्य ही हैं। विभिन्न आंतरिक तथा बाहरी एजेंसियों एवं संस्थाओं के साथ समन्वयन करना भले ही जटिल काम है पर यही प्रषासन के समक्ष उपस्थित होने वाली जमीनी चुनौतियां भी हैं। ये ऐसी सीखें हैं जो किसी युवा प्रषासक को अपने दृष्टिकोण के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण तथा संवेदनशील बनाती है। समूचे बैच के इस लघु प्रतिनिधि, समाज सेवा सोसाइटी, ने अपने पूर्ववर्ती बैचों की अद्भुत परंपरा को आगे बढ़ाया है और इस मशाल को आने वाले बैचों के हाथों में थमाने को उत्सुक है।

हैम रेडियो क्लब

सभी प्रकार की प्रौद्योगिक उन्नतियों के बावजूद, गैर–व्यावसायिक रेडियो (हैम), आपातकालीन परिस्थितियों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती आ रही है। जैसा कि हाल के कुछ बड़ी त्रासदियों में, यथा– उड़ीसा का भयानक चक्रवात, 2001 की गुजरात भूकंप त्रासदी, तथा सुनामी के समय, जब सभी संचार सेवाएं ठप पड़ गई थी, तो हैम रेडियो ही राहत और बचाव कार्य हेतु संचार का एकमात्र साधन बच गई थी।

ला.ब.शा.रा.प्र. अकादमी के आपदा प्रबंध केंद्र में, किसी प्रकार की आपदा के प्रभावी प्रबंध का प्रशिक्षण देने हेतु हैम रेडियो क्लब की स्थापना की गई है। इस केंद्र के लक्ष्य भागीदार हैं– अखिल भारतीय सेवाओं तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं के समूह 'क' सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षणार्थी। वतर्मान में, यह केंद्र, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों तथा स्थानीय स्वयंसेवकों को क्षमतावर्धन कार्यक्रम के तहत हैम रेडियो का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

अध्याय 6

vU; xfrfof/k;k

गांधी स्मृति पुस्तकालय की गतिविधियां तथा उपलब्धियां

अकादमी का गांधी स्मृति पुस्तकालय, भारतीय प्रशासकों, अनुसंधानकर्ताओं, संकाय सदस्यों, विभिन्न पाठ्यक्रमों के प्रतिभागियों इत्यादि की अध्ययन जरूरतों को पूरा करने वाला देश के अत्यंत आधुनिक एवं सुसज्जित पुस्तकालयों में से एक है। गांधी स्मृति पुस्तकालय को सुविकसित तथा अकादमी के स्तर के अनुरूप बनाने के लिए, निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखा जाता है–

- प्रशासन और प्रबंध विषयों पर सभी पुस्तकें/जर्नल/व्याख्यान/नीतियां/विधिक कार्यवाहियों/सुधारों का संग्रह करना
- संदर्भ ग्रंथ, सूचीयन तथा सारांशीकरण सेवाएं उपलब्ध कराना।
- प्रशासनिक सुधार, सिविल सेवा सुधार; आर्थिक सुधार; सार्वजनिक–निजी भागीदारी, सुशासन विषयों पर इंटरनेट पर उपलब्ध सभी सूचीगत लेखों को ऑन–लाइन सूचना सेवा के रूप में उपलब्ध कराना।
- प्रभावी भंडारण, त्वरित पुनःप्राप्ति तथा लक्ष्य उपभोगकर्ताओं को शीघ्र वितरण हेतु सूचना प्रणाली को आधुनिक बनाना
- कतिपय लोक प्रशासन पुस्तकालयों और सहयोगी संसाधन/संदर्भ पुस्तकालयों से संपर्क स्थापित कर, अन्तर–पुस्तकालयी संपर्कों को सुदृढ़ बनाना।

पुस्तकालय के अभिलेख पूर्णतः कंप्यूटरीकृत हैं, जिसके लिए LIBSYS 7 DATABASE सॉफ्वेयर का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय दो डाटाबेस की सहायता से कार्य करता है– पहला, पुस्तकों, रिपोर्टों, ऑडियो/वीडियो कैसेट, सीडी से संबंधित सूचना तथा दूसरा समाचारपत्रों एवं पत्र–पत्रिकाओं के आलेख संबंधित सूचना। पुस्तकालय के डाटाबेस अब लेन पर भी उपलब्ध है। पुस्तकालय OPAC अकादमी की वेबसाइट www.lbsnaa.gov.in पर उपलब्ध है।

पुस्तकालय में 1.70 लाख से अधिक दस्तावेज हैं जिनमें जिल्दबंद पत्रिकाएं, 2194 ऑडियो कैसेट तथा 8300 सीडी हैं। इस वर्ष 3600 से अधिक पुस्तकें जोड़ी गईं।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय में लगभग 350 पत्र–पत्रिकाएं आती हैं जो विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों /संस्थानों से अंशदान, विनिमय तथा उपहार आधार पर प्राप्त होती हैं।

यहां महात्मा गांधी पर तथा महात्मा गांधी द्वारा संग्रहीत दस्तावेजों का एक पृथक संग्रह है जिसे ''गांधीयन'' कहा जाता है। इस समय इस संग्रह में 1100 से अधिक प्रकाशन हैं। ज्ञानलोक संग्रह के अतिरिक्त, अकादमी संग्रह और मसूरी संग्रह, पुस्तकालय में अलग–अलग अपने निर्धारित स्थानों पर रखे गए हैं।

आर.एफ.आई.डी.

इस पुस्तकालय में सुरक्षा और पुस्तकालय से सामग्री के लेन–देन के लिए आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेन्सी आइडेन्टि फिकेशन) प्रणाली स्थापित की गई है। पुस्तकालय की पुस्तकों एवं अन्य दस्तावेजों का अपने स्वयं लेन–देन/उधार का नवीनीकरण करने के लिए पुस्तकालय काउन्टर के पास सेल्फ सर्विस स्टेशन लगाया गया है है। एक आरएफआईडी ड्राप–बॉक्स पुस्तकालय के बाहर भी लगाया गया है, ताकि पुस्तकालय बंद होने पर भी पुस्तकों एवं अन्य दस्तावेजों को लौटा या जा सके।

ई–संसाधन

पुस्तकालय में (ऑन लाइन आईपी पर खोले जा सकने वाले) ई–संसाधनों का संग्रह है, जिनका विवरण निम्नवत् हैः

ईबीएससीओ प्रकाशन द्वारा तैयार ई–जर्नल डाटाबेस, बिजनेस सोर्स प्रीमियरः बिजनेस सोर्स प्रीमियर में 1965 से लेकर आज तक 2300 से अधिक श्रृखंलाओं की पूर्ण तथा 1998 तक की संपादित संदर्भ पुस्तकें जिन्हें तलाशा जा सकता है, उपलब्ध हैं। जर्नल रैकिंग अध्ययनों से पता चलता है कि बिजनेस सोर्स प्रीमियर, प्रतियोगी रूप से व्यवसाय के सभी क्षेत्रों, विपणन, प्रबंध, सूचना प्रबंध तंत्र, पीओएम, लेखा, वित्त और अर्थशास्त्र में पूर्ण विषय–वस्तु के मामले में बेहतर है। गैर–जर्नल सामग्री की अतिरिक्त पूर्ण विषय–वस्तु में बाजार अनुसंधान रिपोर्टें, उद्योग रिपोर्टें, देश की रिपोर्ट, कंपनियों की विवरणी तथा स्वॉट विश्लेषण शामिल हैं।

डाटनिट इंडिया प्रा.लि. के **Indiastat.com** द्वारा प्रकाशित ऑनलाइन, सांख्यिकीय आंकड़ा : यह भारत के निम्नलिखित क्षेत्रों में सांख्यिकीय सूचना देने के लिए हैः प्रशासनिक ढांचा, कृषि, बैंक और वित्तीय संस्थाएं, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, सहकारी समितियां, अपराध, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास निर्माण इत्यादि।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर ऑनलाइन डेटाबेसः भारतीय रिजर्व बैंक पहले से ही अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों से जुड़े आंकड़ों को तैयार एवं संग्रह करता रहा है। इन आंकड़ों की अपने विभिन्न प्रकाशनों में प्रकाशित करना इसकी समृद्ध परंपरा रही है। समय के साथ, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले आंकड़ों की व्याप्ति और तरीका बदल चुका है; मुद्रित प्रारूप से इलेक्ट्रानिक और अब इंटरनेट पर इंटरैक्वि डाटाबेस के माध्यम से।

जेएसटीओआर ऑनलाइनः जेएसटीओआर, उच्च गुणवत्तापूर्ण, अन्तर–विषयक पूर्ण सामग्री (आर्कीव), अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उपलब्ध कराता है। इसमें एक हजार से अधिक प्रमुख अकादमिक जर्नलों के आर्कीव शामिल है, जो मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों के साथ साथ अकादमिक कार्य के लिए मोनोग्राफ तथा अन्य बहुमूल्य सामग्री उपलब्ध कराता है। संपूर्ण सामग्री फुल टेस्क्ट सोर्सेबल है, जो सर्च टर्म हाइलाइटिंग का विकल्प देती है, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले चित्र शामिल है तथा लाखों, कथनों एवं संदर्भो से अंतर्संबंधित है।

पुस्तक प्रदर्शनी

गांधी स्मृति पुस्तकालय के संग्रह में वृद्धि करने के लिए अकादमी ने अधिकारी लाउंज में विभिन्न प्रकाशकों, आपूर्तिकर्ताओं एवं पुस्तक बिक्रेताओं की पुस्तक प्रदर्शनियां आयोजित की, जिससे पुस्तकों की खरीद की जा सके।

पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाएं

यह पुस्तकालय, अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों, संकाय सदस्यों, स्टाफ, अनुसंधान कार्यकर्ताओं और मुख्य परिसर, इंदिरा भवन परिसर और रा.प्र. अनु. संस्थान परिसर में आयोजित होने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों इत्यादि के प्रतिभागियों की वाचन, अनुसंधान और संदर्भ जरूरतों को पूरी करता है। पाठकों के जिज्ञासा समाधान एवं सहायता के लिए प्रशिक्षित और सहयोगी स्टाफ सदा उपलब्ध रहता है। उपभोक्ताओं के लिए निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैंः

- उधारी सेवाएं
- संदर्भ सेवाएं
- संदर्भ ग्रंथ और अभिलेखीकरण सेवाएं
- समाचार पत्र क्लीपिंग सेवाएं
- समसामयिक जानकारी सेवाएं
- रिप्रोग्राफिक सेवाएं

- साहित्य खोज
- डीएलएससी समाधान
- अन्य उपलब्ध सेवाएं

सुलभ संदर्भ हेतु पुस्तकालय ने निम्नलिखित प्रकाशन जारी किए –

क. सूचीयन सेवा (मासिक)
ख. सारांशीकरण सेवा (मासिक)
ग. चालू विषय–सूची (मासिक)
घ. नई खरीदी गई पुस्तकों की सूची (मासिक)
ङ. न्यूज एलर्ट (ताजा समाचार) (साप्ताहिक)

डिजिटीकरण परियोजना

पुस्तकालय की दुर्लभ पुस्तकों का सी–डैक, नोएडा द्वारा डिजिटलीकरण किया जा रहा है ताकि उनका इलैक्ट्रानिक डाटाबेस तैयार किया जा सके और पुस्तकों को संरक्षित किया जा सके। इस समय सी–डैक के स्टाफ लगभग 6000 पुस्तकों के 30 लाख पृष्ठों का डिजिटलीकरण कर चुके हैं। स्कैन की गई सभी पुस्तकें अकादमी के पुस्तकालय पोर्टल www.lbsnaa.gov.in पर उपलब्ध हैं।

राजभाषा अनुभाग

भारत सरकार के कार्यालयों में भारत संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिएए सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार हिंदी पदों का सृजन किया जाना अपेक्षित है। अतः राजभाषा नीति के कार्यान्वयन हेतु अकादमी में वर्ष 1986 में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई। यह अनुभागए निदेशक के समग्र मार्गदर्शन तथा पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस अनुभाग द्वारा विचाराधीन वर्ष के दौरान मुख्यतः निम्नलिखित कार्य संपन्न किए गए .

1. भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष **2012.2013** के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप, 'क', 'ख' और 'ग' क्षेत्रों के साथ हिंदी पत्राचार सुनिश्चित किया जा रहा है। तदनुसार अकादमी द्वारा क एवं ख क्षेत्रों के साथ लगभग 90 प्रतिशत और 'ग' क्षेत्र के साथ लगभग 65 प्रतिशत पत्राचार हिंदी में किया जा रहा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3;3 के अंतर्गत द्विभाषी जारी किए जाने वाले सभी दस्तावेजों को द्विभाषी रूप में जारी किया गया। विचाराधीन वर्ष के दौरान इस अकादमी नेए हिंदी पुस्तकोंए सीडी डीवीडी आदि की खरीद के लिए 42 प्रतिशत राशि व्यय कर राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत बजट के व्यय के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। अकादमी के निदेशक की अध्यक्षता में प्रतिमाह राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन कर अकादमी के विभिन्न अनुभागों में राजभाषा हिंदी में किए जा रहे कार्य की समीक्षा की जाती है तथा यथोचित मार्गदर्शन किया जाता है।

2. लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमीए मसूरी में दिनाक 01 सितंबर से 14 सितंबरए 2012 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में अकादमी स्टाफ एवं अकादमी से संबध्द इकाइयों के स्टाफ तथा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए राजभाषा नीति से संबंधित सामान्य ज्ञानए तीन वर्गों के लिए अलग.अलग हिंदी निबंध लेखन तथा हिंदी काव्य रचना प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को हिंदी दिवस के अवसर पर दिनांक 14 सितंबर 2012 को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि अकादमी के निदेशक, श्री पदमवीर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासन प्रभारी श्रीमती रंजना चोपड़ा उपनिदेशक वरिष्ठ द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन, सहायक निदेशक (रा.भा.) श्री नंदन सिंह दुग्ताल ने किया। समारोह में अकादमी स्टाफ

संकाय सदस्यों के अतिरिक्त 87वें आधारिक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षु अधिकारी भी सम्मिलित हुए। प्रशिक्षु अधिकारियों ने इस अवसर पर हिंदी साहित्य विषयक स्मरण सुनाए एवं काव्यपाठ भी किया।

इस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों के साथ ही, वार्षिक टिप्पण तथा मसौदा लेखन प्रोत्साहन योजना. 2011.12 के प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया। इस तरह इस समारोह में कुल 27 प्रतिभागियों कोए निदेशक एवं प्रशासन प्रभारी महोदया ने प्रशस्ति पत्र, नकद धनराशि तथा साहित्यिक पुस्तकें पुरस्कार स्वरूप प्रदान कीं।

निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में अकादमी में हिंदी के प्रयोग पर संतोष व्यक्त किया तथा इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया। प्रशासन प्रभारी ने अपने संबोधन में अकादमी के प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक क्षेत्र में हिंदी के बढ़ते प्रयासों से अवगत कराया। अंत में उन्होंने सभी संकाय सदस्यों अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों एवं अकादमी स्टाफ का आभार प्रकट करते हुए पुनः सभी से अकादमी में हिंदी के प्रयोग को और-अधिक बढ़ाने का आह्वान किया।

3. इसके अतिरिक्त 07 नवंबर, 2012 को अकादमी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, देहरादून के सभी सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों/ कर्मचारियों हेतु हिंदी ज्ञान एवं मानक टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के विजेता 5 प्रतिभागियों को नगर राजभाषा कार्यान्व्यन समिति, देहरादून की छमाही बैठक में पुरस्कार स्वरूप अकादमी स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

4. अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों को आवश्यकतानुसार समय.समय पर उपलब्ध कराई जाने वाली प्रशासनिक सामग्री यथा.पत्रों परिपत्रों सूचनाओं निविदा सूचनाओं वार्षिक रिपोर्ट प्रश्नपत्रों अनुशासनिक कार्यवाहियों इत्यादि के अनुवाद के अतिरिक्त राजभाषा अनुभाग ने विभिन्न पाठयक्रमों आधारिक पाठयक्रम के लिए पाठयक्रम पुस्तिका तथा मानक पत्रों के प्रारूप का अनुवाद संपन्न किया।

इस प्रकार, यह अकादमी अपने प्रशासनिक और प्रशिक्षण दोनों क्षेत्रों में हिंदी के प्रचार.प्रसार के लिए कटिबध्द है।

परिशिष्ट – 1: अकादमी के संकाय सदस्य/अन्य अधिकारी

अकादमी के संकाय सदस्य

पदमवीर सिंह
निदेशक

दुष्यंत नरियाला
संयुक्त निदेशक

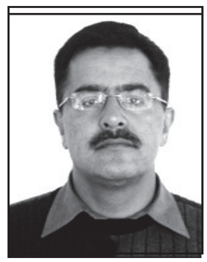

संजीव चोपड़ा
संयुक्त निदेशक

आशीष वाच्छानी
उप निदेशक (वरि.)

जसप्रीत तलवार
उप निदेशक (वरि.)

जयंत सिंह
उप निदेशक (वरि.)

निधि शर्मा
उप निदेशक

प्रेम सिंह
उप निदेशक

रंजना चोपड़ा
संयुक्त निदेशक

राजेश आर्य
उप निदेशक (वरि.)

रोली सिंह
उप निदेशक (वरि.)

डॉ. एस.एच.खान
उप निदेशक (वरि.)

तेजवीर सिंह
संयुक्त निदेशक

प्रो.ए.एस.रामाचन्द्रा

ज्ञानेन्द्र डी. बडगइया
प्रो. अर्थशास्त्र

प्रो.आर.के.ककानी

अभिषेक स्वामी
रीडर इन लॉ

मोना बागाबती
रीसर्च फैलो

प्रीति रानी बोरा
असिस्टेंट डायरेक्टर

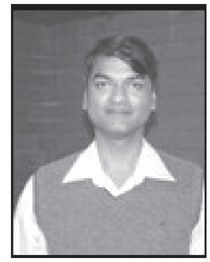

रत्नेश सिंह
असिस्टेंट डायरेक्टर

अकादमी के संकाय सदस्य/अन्य अधिकारी		
क्रम सं.	संकाय सर्वश्री	पद
1	पदमवीर सिंह	निदेशक
2	संजीव चोपड़ा	संयुक्त निदेशक
3	दुष्यंत नरियाला	संयुक्त निदेशक
4	रंजना चोपड़ा	उपनिदेशक (वरि.)
5	डॉ. एस.एच. खान	उपनिदेशक (वरि.)
6	राजेश आर्य	उपनिदेशक (वरि.)
7	तेजवीर सिंह	उपनिदेशक (वरि.)
8	जसप्रीत तलवार	उपनिदेशक (वरि.)
9	रोली सिंह	उपनिदेशक (वरि.)
10	जयंत सिंह	उपनिदेशक (वरि.)
11	आशीष वाच्छानी	उपनिदेशक
12ण	डॉ. प्रेम सिंह	उपनिदेशक
13	निधि शर्मा	उपनिदेशक
14	ज्ञानेंद्र धर बडगैयां	प्रोफेसर, अर्थशास्त्र
15	राम कुमार कांकाणी	प्रोफेसर, लोक प्रशासन
16	डॉ. ए.एस. रामचंद्र	प्रोफेसर, राजनीतिक सिद्धांत एवं संवैधानिक विधि
17	अभिषेक स्वामी	रीडर, विधि
18	मोना भगवती	रिसर्च फेलो

अकादमी के अन्य अधिकारी		
क्रम सं.	संकाय सर्वश्री	पद
1	रत्नेश सिंह	सहायक निदेशक
2	प्रीति रानी बोरा	सहायक निदेशक
3	डॉ. वी.बी. मुतिनमठ	भाषा अनुदेशक
4	डॉ. अलका कुलकर्णी	भाषा अनुदेशक
5	ए. नल्लासामी	भाषा अनुदेशक
6	अरशद एम. नंदन	भाषा अनुदेशक
7	के.बी. सिंघा	भाषा अनुदेशक
8	सौदामिनि भूयां	भाषा अनुदेशक
9	हरि सिंह रावत	व्यायाम अनुदेशक
10	अन्ना दुरै	सहायक व्यायाम अनुदेशक
11	पृथ्वी सिंह	घुड़सवारी अनुदेशक
12	बलजीत सिंह	सहायक घुड़सवारी अनुदेशक
13	डॉ. एम. चक्रवर्ती	प्रमुख, निक्टू
14	आजाद सिंह	वैज्ञानिक 'बी' निक्टू
15	अमरजीत सिंह दत्त	वैज्ञानिक अधिकारी
16	डॉ. बी.एस. काल	मुख्य चिकित्साधिकारी (एनएफएसजी)
17	डॉ. बहादुर सिंह	मुख्य चिकित्साधिकारी
18	वी.एस. धनै	प्रशासन अधिकारी (लेखा)
19	आलोक पाण्डेय	वरिष्ठ प्रोग्रामर
20	आर.के. अरोड़ा	सहायक पु. एवं सूचना अधिकारी
21	सत्यबीर सिंह	प्रशासन अधिकारी
22	एस.एस. बिष्ट	सहायक प्रशासन अधिकारी
23	एस.पी.एस. रावत	निजी सचिव
24	पुरुषोत्तम कुमार	निजी सचिव

परिशिष्ट–2 : भौतिक अवसंरचना

क.	कक्षा/व्याख्यान/संगोष्ठी कक्ष	
i)	कक्षा/व्याख्यान कक्षों की कुल संख्या	11
ii)	सभी कक्षा/व्याख्यान कक्षों की कुल क्षमता	1184 सीट
iii)	ऑडिटोरियम (क्षमता – 478)	01
iv)	सम्मेलन कक्ष/हॉल	02
v)	प्रत्येक सम्मेलन कक्ष/हॉल की क्षमता	50 प्रत्येक
ख.	अन्य प्रशिक्षण साधन	
i)	ओएचपी	15
ii)	सीआरटी	06 सीआरटी + 07 एलसीडी
iii)	अन्य	07 स्लाइड प्रोजेक्टर
ग.	छात्रावास	
i)	गंगा छात्रावास	78
ii)	कावेरी छात्रावास	32
iii)	नर्मदा छात्रावास	21
iii)	कालिन्दी अतिथि गृह	21
iv)	हैप्पी वैली ब्लॉक	22
vi)	इन्दिरा भवन छात्रावास	23
vii)	सिल्वरवुड छात्रावास	54
viii)	वैली व्यू छात्रावास (इन्दिरा भवन)	48
ix)	ब्रह्मपुत्र अतिथि गृह	12
घ.	रिहायशी आवास	
(i)	अधिकारियों के लिए	38
(ii)	कर्मचारियों के लिए	319

परिशिष्ट–3 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–I के प्रतिभागी (2011–13 बैच)

सेवा/राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
एजीएमयूटी	07	04	11
आंध्र प्रदेश	04	02	06
असम मेघालय	07	01	08
बिहार	10	00	10
छत्तीसगढ़	06	00	06
गुजरात	06	00	06
हरियाणा	04	00	04
हिमाचल प्रदेश	03	00	03
जम्मू–कश्मीर	04	01	05
झारखंड	07	01	08
कर्नाटक	05	03	08
केरल	06	00	06
मध्य प्रदेश	07	02	09
महाराष्ट्र	06	01	07
मणिपुर–त्रिपुरा	04	00	04
नागालैण्ड	03	00	03
उड़ीसा	05	00	05
पंजाब	03	02	05
राजस्थान	05	02	07
रायल भूटान सिविल सेवा	02	00	02
सिक्किम	01	00	01
तमिलनाडु	07	01	08
उत्तर प्रदेश	16	00	16
उत्तराखण्ड	03	00	03
पश्चिम बंगाल	05	02	07
योग	136	22	158

परिशिष्ट–4 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण–।। के प्रतिभागी (2010–12 बैच)

राज्य	पुरुष	महिलाएं	प्रतिभागियों की संख्या
एजीएमयूटी	03	02	05
आंध्र प्रदेश	03	05	08
असम मेघालय	03	02	05
बिहार	08	01	09
छत्तीसगढ़	04	01	05
गुजरात	03	01	04
हरियाणा	02	01	03
हिमाचल प्रदेश	02	01	03
जम्मू–कश्मीर	04	00	04
झारखंड	04	00	04
कर्नाटक	03	03	06
केरल	01	03	04
मध्य प्रदेश	10	02	12
महाराष्ट्र	05	02	07
मणिपुर–त्रिपुरा	04	00	04
नागालैण्ड	01	01	02
उड़ीसा	03	03	06
पंजाब	02	01	03
राजस्थान	04	01	05
रायल भूटान सिविल सेवा	01	01	02
सिक्किम	02	00	02
तमिलनाडु	04	04	08
उत्तर प्रदेश	10	03	13
उत्तराखंड	01	01	02
पश्चिम बंगाल	04	02	06
वायु सेना	01	00	01
सेना	01	00	01
योग	93	41	134

परिशिष्ट–5 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण– III के प्रतिभागी (2012)

राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आंध्र प्रदेश	09	06	15
असम–मेघालय	02	01	03
बिहार	02	00	02
छत्तीसगढ़	03	01	04
गुजरात	01	00	01
हरियाणा	05	01	06
हिमाचल प्रदेश	01	02	03
जम्मू–कश्मीर	01	01	02
झारखंड	02	00	02
कर्नाटक	04	00	04
केरल	05	01	06
मध्य प्रदेश	01	00	01
महाराष्ट्र	02	01	03
मणिपुर–त्रिपुरा	02	00	02
नागालैण्ड	00	00	00
उड़ीसा	00	02	02
पंजाब	04	01	05
राजस्थान	05	00	05
सिक्किम	00	00	00
तमिलनाडु	04	02	06
संघराज्य क्षेत्र	04	02	06
उत्तर प्रदेश	07	00	07
उत्तराखंड	01	01	02
पश्चिम बंगाल	00	00	00
श्रीलंका प्रशा. सेवा के अधिकारी	02	02	04
कुल प्रतिभागी	67	24	91

पुरुष	69
महिलाएं	22
योग	91
श्रीलंका प्र.सेवा	04
नियमित नियुक्त	61
राज्य सि.सेवा	23
गैर–रा.सि.से.	03
योग	91
अनुमोदन	91
योग	91
श्रीलंका प्र.सेवा	04
1998	00
1999	00
2000	00
2001	05
2002	23
2003	25
2004	34
कुल प्रतिभागी	91

परिशिष्ट–6 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण– IV के प्रतिभागी (2012)

राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आंध्र प्रदेश	07	03	10
असम–मेघालय	06	01	07
बिहार	07	01	08
छत्तीसगढ़	04	00	04
गुजरात	01	02	03
हरियाणा	02	01	03
हिमाचल प्रदेश	02	00	02
जम्मू–कश्मीर	03	00	03
झारखंड	03	00	03
कर्नाटक	03	00	03
केरल	06	01	07
मध्य प्रदेश	02	00	02
महाराष्ट्र	11	02	13
मणिपुर–त्रिपुरा	04	00	04
नागालैण्ड	00	00	00
उड़ीसा	07	01	08
पंजाब	07	00	07
राजस्थान	04	01	05
सिक्किम	02	00	02
तमिलनाडु	05	00	05
संघराज्य क्षेत्र	05	02	07
उत्तर प्रदेश	02	01	03
उत्तराखंड	02	00	02
पश्चिम बंगाल	03	00	03
श्रीलंका प्रशा. सेवा के अधिकारी	04	00	04
कुल प्रतिभागी	102	16	118

पुरुष	102
महिलाएं	16
योग	118
श्रीलंका प्र.सेवा	04
नियमित नियुक्त	86
राज्य सि.सेवा	22
गैर–रा.सि.से.	04
योग	116
अनुमोदन	118
योग	118
1991	01
1992	02
1993	12
1994	36
1995	01
1996	18
1997	44
श्रीलंका प्र.सेवा	04
कुल प्रतिभागी	118

परिशिष्ट–7 : भारतीय प्रशासनिक सेवा चरण– V के प्रतिभागी (2012)

राज्य	पुरुष	महिलाएं	योग
आंध्र प्रदेश	08	01	09
असम–मेघालय	04	00	04
बिहार	04	00	04
छत्तीसगढ़	01	00	01
गुजरात	01	00	01
हरियाणा	04	00	04
हिमाचल प्रदेश	03	01	04
जम्मू–कश्मीर	01	00	01
झारखंड	05	00	05
कर्नाटक	03	00	03
केरल	05	00	05
मध्य प्रदेश	05	01	06
महाराष्ट्र	07	02	09
मणिपुर–त्रिपुरा	03	00	03
नागालैण्ड	00	00	00
उड़ीसा	03	01	04
पंजाब	03	00	03
राजस्थान	05	01	06
सिक्किम	01	00	01
तमिलनाडु	03	01	04
संघराज्य क्षेत्र	01	01	02
उत्तर प्रदेश	14	00	14
उत्तराखंड	02	01	03
पश्चिम बंगाल	00	01	01
श्रीलंका प्रशा. सेवा के अधिकारी	00	00	00
कुल प्रतिभागी	86	11	97

पुरुष	86
महिलाएं	11
योग	97
श्रीलंका प्र.सेवा	00
नियमित नियुक्त	97
राज्य सि.सेवा	00
गैर–रा.सि.से.	00
योग	97
अनुमोदन	97
योग	97
1980	00
1981	00
1982	04
1983	31
1984	62
1985	00
श्रीलंका प्र.सेवा	00
कुल प्रतिभागी	97

परिशिष्ट–8 : 87वें आधारिक पाठ्यक्रम के प्रतिभागी

सेवा–वार ब्योरा

सेवा/राज्य	योग
भारतीय प्रशासनिक सेवा	163
भारतीय वन सेवा	36
भारतीय पुलिस सेवा	62
रॉयल भूटान सिविल सेवा	03
योग	264

परिशिष्ट–9 : 110वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग–वार ब्योरा

सेवा/संवर्ग	पुरुष	महिलाएं
अगमुट	01	00
हरियाणा	01	00
हिमाचल प्रदेश	03	00
कर्नाटक	01	00
मध्य प्रदेश	03	01
मेघालय	01	00
राजस्थान	01	00
सिक्किम	04	01
तमिलनाडु	03	01
मणिपुर–त्रिपुरा	03	01
पश्चिम बंगाल	00	02
योग	21	06
महायोग	27	

110वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों का बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
1998	01
2000	01
2001	01
2003	03
2005	01
बैच आबंटित नहीं	20
योग	27

परिशिष्ट–10 : 111वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग–वार ब्योरा

सेवा/संवर्ग	पुरुष	महिलाएं
अगमूट	2	1
आंध्र प्रदेश	1	.
हरियाणा	2	.
हिमाचल प्रदेश	4	.
कर्नाटक	6	.
महाराष्ट्र	1	.
मणिपुर	6	.
तमिलनाडु	1	3
प.बंगाल	4	2
योग	27	6
महायोग	33	

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
2000	1
2002	2
2003	1
2009	3
2010	1
बैच आबंटित नहीं	25
योग	33

परिशिष्ट–11 : 112वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग–वार ब्योरा

सेवा/संवर्ग	पुरुष	महिलाएं
अगमूट	2	.
आंध्र प्रदेश	3	.
आसाम	4	1
बिहार	3	
हरियाणा	2	.
जम्मू कश्मीर	1	.
कर्नाटक	3	.
केरल	2	1
मणिपुर	5	1
राजस्थान	2	.
त्रिपुरा	2	.
पं. बंगाल	4	
योग	33	3
महायोग	36	

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
1997	1
1998	3
1999	1
2000	4
2001	2
2003	1
2004	1
2005	2
2007	1
2011	3
2012	1
बैच आबंटित नहीं	16
योग	36

परिशिष्ट–12 : 113वें प्रवेशकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

संवर्ग–वार ब्योरा

सेवा/संवर्ग	पुरुष	महिलाएं
अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह	01	00
आंध्र प्रदेश	04	00
बिहार	05	00
छत्तीसगढ़	04	00
जम्मू–कश्मीर	01	00
केरल	01	00
मध्य प्रदेश	01	00
मणिपुर	05	01
मिजोरम	04	00
पंजाब	01	00
राजस्थान	02	00
तमिलनाडु	02	01
उत्तर प्रदेश	02	00
	33	02
योग	35	

बैच–वार विवरण

बैच	संख्या
1997	01
1998	05
1999	02
2002	01
2003	01
2005	02
बैच आबंटित नहीं	23
योग	35

परिशिष्ट–13 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 18वें संयुक्त सिविल–सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी

7 से 18 मई, 2012

भारतीय प्रशासनिक सेवा	04
भारतीय पुलिस सेवा	04
भारतीय विदेश सेवा	01
भारतीय राजस्व सेवा	01
भारतीय रक्षा लेखा सेवा	01
आसूचना ब्यूरो	01
भारतीय सीमा एवं उत्पाद कर सेवा	02
भारतीय तट रक्षक	01
भारतीय रेल यातायात सेवा	01
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो	01
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल	01
भारतीय सेना	05
भारतीय वायु सेना	02
भारतीय नौसेना	02
सीमा सुरक्षा बल	01
भारतीय तिब्बत सीमा सुरक्षा बल	01
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड	01
मंत्रिमंडल सचिवालय	01
मीडिया	01
निजी क्षेत्र	01
योग	33

परिशिष्ट–14 : राष्ट्रीय सुरक्षा पर 19वें संयुक्त सिविल–सैन्य कार्यक्रम के प्रतिभागी

17 से 28 दिसंबर, 2012

भारतीय प्रशासनिक सेवा	02
भारतीय पुलिस सेवा	06
भारतीय विदेश सेवा	01
भारतीय राजस्व सेवा	01
भारतीय सीमा एवं उत्पाद कर सेवा	03
भारतीय तट रक्षक	01
भारतीय रेल यातायात सेवा	02
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल	02
भारतीय सेना	02
भारतीय वायु सेना	01
भारतीय नौसेना	03
सीमा सुरक्षा बल	02
राश्ट्रीय सुरक्षा गार्ड	01
मंत्रिमंडल सचिवालय	01
मीडिया	03
निजी क्षेत्र	01
योग	32

परिशिष्ट–15 : "वर्तमान प्रशासन में आचार–नीति" पर 17वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी : सेवा एवं बैच–वार विवरण

भारतीय प्रशासनिक सेवा			
	पुरुष	महिला	योग
1985	01	00	01
1995	01	00	01
1998	00	01	01
2003	01	00	01
2006	00	01	01
2007	01	00	01
योग	04	02	06
भारतीय पुलिस सेवा			
1991	01	00	01
1994	01	00	01
2005	01	00	01
2006	01	00	01
2008	01	00	01
योग	05	00	05
भारतीय वन सेवा			
1980	01	00	01
1983	01	00	01
1985	01	00	01
1986	01	00	01
1989	01	00	01
1990	01	00	01
1996	01	00	01
2001	01	00	01
2002	01	00	01
2004	01	00	01
योग	10	00	10
भारतीय वायु सेना			
1983	01	00	01
1991	01	00	01
योग	02	00	02
भारतीय सेना			
1987	01	00	01
योग	01	00	01
कुल योग	22	02	24

परिशिष्ट–16 : "आपदा प्रबंधन" पर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

25 से 29 मार्च, 2013

भारतीय प्रशासनिक सेवा	04
भारतीय पुलिस सेवा	08
भारतीय वन सेवा	01
भारतीय रेल यातायात सेवा	01
भारतीय सेना	01
भारतीय नौसेना	01
भारतीय वायु सेना	01
सीमा सुरक्षा बल	01
भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस	01
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल	02
बी.आर.ई.एस.	01
योग	22